मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 16 मई 2026

संवत 2083, जेष्ठ कृष्ण पक्ष 15 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 241, पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ पेट्रोल संकट का दीर्घकालीन समाधान भारत के पास है

प्रगति और पर्यावरण साथ चलें तभी सुरक्षित होगा भविष्य : रवीना टंडन ◂◂ 6

बदमाशों ने घर में घुसकर महिला को मारी गोली, मौत

संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा में भोरे-भोर दिल दहला देने वाली वारदात को अंजाम दिया गया। जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र के नवाटोली गांव में एक जवान लड़की की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। भोर के करीब चार बजे घर में घुसकर लड़की को गोली मारी गयी। इस दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया। मृतक लड़की की शिनाख्त 22 वर्षीय जेबा परवीन के तौर पर की गयी है। उसके पिता का नाम मोहम्मद हुसैन बताया गया। वारदात की फैली खबर के बाद इलाके में तहलका मच गया। घरवाले जल्दबाजी में खून से लथपथ जेबा परवीन को लेकर अस्पताल भागे। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया। रिम्स में उसे बचाया नहीं जा सका। मामले में कोलेबिरा थानेदार हर्ष कुमार का कहना है कि प्रेम प्रसंग में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। बताया गया कि जेबा परवीन का प्रेमी उस पर शादी का दबाव बना रहा था। लड़की के घरवालों को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। उन्होंने शादी से इनकार कर दिया था। प्रेमी गुजरे तीन-चार दिनों से लगातार जेबा परवीन के घर आ-जा रहा था। उसे शादी करने को कह रहा था। जब जेबा परवीन ने भी शादी से इनकार कर उसे घर आने से मना कर दिया तो, प्रेमी का खून खौल उठा। आरोप है कि आज यानी शनिवार की भोर करीब चार बजे उसने घर में घुसकर जेबा परवीन को गोली मार दी। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

हाइवा की चपेट में आने से महिला की मौत

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना गेट के पास शनिवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें अज्ञात हाइवा की चपेट में आने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई।मृतका की पहचान 60 वर्षीय कांति देवी, पति स्वर्गीय गोविंद साव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला सुबह- सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं, तभी यह हादसा हो गया। इस हादसे में महिला की मौत घटनास्थल पर हो गई।घटना से गुस्साए परिजनों ने एनएच-22 को जाम कर दिया।सड़क जाम के कारण एनएच-22 पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। प्रदर्शनकारियों ने मृतका के लिए उचित मुआवजे और दोषी वाहन को अविलंब पकड़ने की मांग की।घटना की सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास शुरू किया।पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने और सड़क जाम हटवाने की कोशिश कर रही है, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

रिम्स हॉस्टल में एमबीबीएस के छात्र ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

रांची: झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में एमबीबीएस सेकंड ईयर के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। छात्र के शव को उसके ही हॉस्टल के कमरे से बरामद किया गया। घटना रिम्स के हॉस्टल नंबर 8 में हुई। जहां रहने वाले एमबीबीएस सेकंड ईयर के छात्र अक्षित कुजूर ने आत्महत्या कर ली।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को खाना खाने के बाद अक्षित अपने कमरे में सोने के लिए चला गया था। शनिवार की सुबह जब उसके कुछ दोस्त उसके पास पहुंचे तो देखा कि अक्षित मृत पड़ा हुआ है। आनन-फानन में अक्षित को उसके दोस्त इलाज के लिए रिम्स के ही ट्रामा सेंटर ले गए, काफी देर तक डॉक्टरों ने प्रयास भी किया, लेकिन अक्षित की मौत हो गई।

बरियातू पुलिस जांच में जुटी

एमबीबीएस सेकंड ईयर के छात्र की आत्महत्या करने की सूचना बरियातू पुलिस को भी दी गई। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और अपनी जांच में जुट गई। बरियातू थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि एमबीबीएस सेकंड ईयर के छात्र अक्षित के सुसाइड की सूचना मिली थी, जिस पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल कमरे की तलाशी नहीं ली गई है। परिजनों को मामले की जानकारी दी गई है। छात्र झारखंड के सिमडेगा जिले का रहने वाला था।

वजहों का खुलासा नहीं

एमबीबीएस के होनहार स्टूडेंट अक्षित ने सुसाइड क्यों किया यह बड़ा सवाल है। अक्षित के कमरे की तलाशी के दौरान अगर कोई सुसाइड नोट मिलता है तब वजहों का खुलासा हो सकता है। फिलहाल अक्षित के शव को रिम्स के मॉर्चरी में ही रखा गया है। परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने पेट्रोल निर्यात पर बढ़ाया टैक्स डीजल और एटीएफ पर घटाई ड्यूटी

संवाददाता

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्यात टैक्स में बदलाव किया है। सरकार ने पेट्रोल निर्यात पर 3 रुपए प्रति लीटर का विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) लगाया है, जबकि डीजल पर शुल्क घटाकर 16.15 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। यह नया आदेश शनिवार से लागू होगा। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि पेट्रोल निर्यात पर 3 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लागू किया जाएगा, जबकि डीजल पर शुल्क संशोधित कर 16.15 रुपए प्रति लीटर किया गया है। अधिसूचना में यह भी कहा गया कि पेट्रोल और डीजल निर्यात पर सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर सेस को शून्य कर दिया गया है। सरकार के अनुसार, घरेलू ईंधन पर लगने वाले टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद पहली बार पेट्रोल निर्यात पर नया एसएईडी लगाया गया है। वहीं, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क को पिछले कुछ महीनों में कई संशोधनों के बाद कम किया गया है।

इससे पहले डीजल पर निर्यात शुल्क में कई बार बदलाव किया गया था। 26 मार्च को इसे 21.50 रुपए प्रति लीटर तय किया गया था, फिर 11 अप्रैल को बढ़ाकर 55.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया। इसके बाद 30 अप्रैल को इसे घटाकर 23 रुपए प्रति लीटर किया गया और अब इसे और कम करके 16.15 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर भी इसी प्रकार बदलाव हुए। पहले इसका शुल्क 29.5 रुपए प्रति लीटर था, फिर इसे बढ़ाकर 42 रुपए प्रति लीटर किया गया। बाद में इसे घटाकर 33 रुपए प्रति लीटर किया गया और अब इसे कम करके 16 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच घरेलू ईंधन उपलब्धता बनाए रखने और निर्यात पर नियंत्रण के लिए विंडफॉल टैक्स ढांचा लागू किया गया था।

ईंधन की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा, दिये निर्देश

संवाददाता

चतराः समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधि सेल्स मैनेजरों के साथ वाहन ईंधन की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुरूप जिले में आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को निर्बाध रूप से ईंधन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस, स्वास्थ्य सेवा, पुलिस सेवा, खाद्य आपूर्ति, प्रशासनिक विभागों के वाहन, दूध आपूर्ति, समाचार पत्र वितरण एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से संबंधित वाहनों को निर्बाध एवं प्राथमिकता के साथ इंधन उपलब्ध कराया जाए ताकि आवश्यक सेवाएं निर्बाध रूप से चलती रहे। साथ ही, आम नागरिकों को हो रही वाहन ईंधन उपलब्धता समस्याओं के निराकरण एवं आवश्यकता अनुसार नियम पूर्वक वाहन इंधन उपलब्ध कराने का निर्देश पेट्रोल पंप संचालकों एवं ऑयल कंपनियों के सेल्स मैनेजर को दिया गया।उपायुक्त ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की कृत्रिम मांग अथवा ईंधन संकट जैसी स्थिति उत्पन्न न होने दें। उन्होंने कहा कि वाहन ईंधन की कृत्रिम कमी, जमाखोरी अथवा कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।बैठक में सभी पेट्रोल पंपों को प्रतिदिन प्रातः 07:00 बजे से सायं 07:00 बजे तक रिटेलर एवं यात्री बसों को प्राथमिकता के आधार पर नियमित रूप से ईंधन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही, कालाबाजारी रोकने हेतु डिब्बा, बोतल एवं कैन इत्यादि में पेट्रोल/डीजल नहीं देने तथा सभी पेट्रोल पंपों के उउळश कैमरे क्रियाशील रखने को कहा गया।उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी, चतरा को ट्रांसपोर्टरों का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया। वहीं प्रशासन द्वारा अधिसूचित पेट्रोल पंपों को आवश्यक सेवाओं हेतु ईंधन सुरक्षित रखने का निर्देश भी दिया गया।बैठक के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से माँ भगवती पेट्रोल पंप, प्रतापपुर द्वारा तेल की कालाबाजारी से संबंधित शिकायत का मामला संज्ञान में आया। इस पर उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रतापपुर को मामले की जांच कर शीघ्र जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।इसके अतिरिक्त शादी-विवाह एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए ईंधन उपलब्धता हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, चतरा एवं सिमरिया को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।जिला प्रशासन की ओर से आम नागरिकों से अपील की गई कि जिले में वाहन ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। अतः कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से ईंधन का भंडारण न करें तथा अफवाहों पर ध्यान न दें।बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रीमती नीतू सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी, सभी प्रखंडों से आए पेट्रोल पंप संचालक एवं सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी उपस्थित थे।

डेंगू से बचाव को लेकर स्कूली बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

चतरा। विश्व डेंगू दिवस पर लोगों को दिया साफ-सफाई और सतर्कता का संदेश विश्व डेंगू दिवस के अवसर पर शुक्रवार को चतरा में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान ह्लघर के आसपास पानी जमा न होने देंह्व, ह्लसाफ-सफाई रखें, डेंगू भगाएंह्व और ह्लमच्छरों से बचाव ही सुरक्षा हैह्व जैसे संदेश दिए गए। बच्चों ने लोगों से कूलर, गमले और पुराने टायरों में जमा पानी को नियमित रूप से साफ करने की अपील की।

स्वास्थ्य विभाग के उपाधीक्षक डॉक्टर पंकज कुमार ने बताया कि डेंगू मच्छर साफ पानी में पनपता है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी बीमारी को बढ़ावा दे सकती है। लोगों को पूरी बांह के कपड़े पहनने, मच्छरदानी का उपयोग करने और तेज बुखार होने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी गई।रैली में शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी और स्थानीय लोग भी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक कर बीमारी की रोकथाम करना था।

घर में घुसा अनियंत्रित हाइवा, बड़ा हादसा टला

चतरा : वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के एनएच-22 स्थित घंघरी देवी मंडप के समीप शुक्रवार देर रात एक अनियंत्रित हाइवा सड़क किनारे बने घर में जा घुसा। हादसे के वक्त घर में सो रहे लोग बाल-बाल बच गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार घंघरी गांव निवासी श्रवण गोस्वामी के घर में तेज रफ्तार हाइवा अचानक अनियंत्रित होकर घुस गया। हादसे के समय घर के अंदर उनके पिता रघुवीर गोस्वामी सोए हुए थे। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।हाइवा की टक्कर से घर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं घर के बाहर संजीत साव द्वारा रखा गया ईंट का ढेर भी पूरी तरह बिखर गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि ठळ-22 पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार लगातार हादसों का कारण बन रही है।घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क किनारे सुरक्षा व्यवस्था और भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण लगाने की मांग की है।

वट सावित्री व्रत पर बरगद की पूजा को लेकर उमड़ी भीड़

साहिबगंज : जिला संहित आसपास क्षेत्र में वट सावित्री पूजा करने के लिए महिलाओं का भीड उमड पड़ी ।वही शहरी क्षेत्र के गर्ल्स हाई स्कूल के समीप, गंगा घाट, पुलिस लाइन शिव मंदिर, साउथ कॉलोनी, झरना कॉलोनी, केलाबाडी पोखरिया सहित अन्य जगहों पर महिलाएं पूजा अर्चना करते नजर आए जबकि पंडित मुकेश मिश्रा ने बताया कि विवाहित हिंदूमहिलाओं द्वारा मनाया जाने वाला एक अत्यंत शुभ त्योहारहै । इस दिन महिलाएंअपने पतियों की दीघार्यु, समृद्धि और कल्याण के लिएबरगद के पेड़ के नीचे उपवास रखती हैं और प्रार्थना करती हैं। रीति-रिवाज और परंपराएँ बरगद का वृक्ष बरगद का वृक्ष पूजा का केंद्र बिंदु है। यह अमरता, दीघार्यु और सावित्री की कथा का प्रतीक है। जिन्होंने अपने पति सत्यवान को जीवनदान देने के लिए यमराज से प्रार्थना की थी।पूजा की थाली आपकी थाली में पांच फल विशेषकर आम भीगे हुए काले चने, मुरमुरे, सिंदूर एक बांस का पंखा, सावित्री सत्यवान की मिट्टी की मूर्ति और एक पवित्र लाल या पीला धागा मोली शामिल होना चाहिए।परिक्रमा एवं बंधन महिलाएं वैवाहिक सुख के लिए प्रार्थना करते हुए बरगद के पेड़ के तने के चारों ओर पवित्र धागा कई बार बांधती हैं।उपवास महिलाएं कठोर उपवास रखती हैं।जिसे वे केवल अनुष्ठानों को पूरा करने और व्रत कथा सुनने या पढ़ने के बाद ही तोड़ती हैं।

गंगा में नहाने उतरा युवक, डूबा

साहिबगंजः मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज स्थित डीबीएल गंगा घाट पर नहाने के दौरान अहमदाबाद का किशनपुर का युवक विकास कुमार मंडल 26 वर्ष गंगा में डूब गया। वहां पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी गंगा नदी थाना प्रभारी को दिया। जहां गंगा नदी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन जूट गए। वहीं युवक की तलाश के लिए स्थानीय गोताखोरों को बुलाया गया जहां गोताखोर युवक की तलाश में गंगा में उतरे और खोजबीन शुरू की हालांकि युवक की अब तक खोज नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि विकास दिल्ली से ट्रेन के माध्यम से साहिबगंज स्थित महादेवगंज अपने मौसा के घर आया था । विकास मौसा के घर से 11 बजे यह कहकर निकला की वह ट्रेन पड़कर घर चला जाएगा घर वालों ने काफी रोकने की भी कोशिश की लेकिन वह नहीं रुका। घर से निकलने के बाद वह डीबीएल स्थित गंगा घाट किनारे गया और कपड़ा खोलकर नहाने के लिए जैसे उतरा हुआ गंगा में समा गया।

निर्मला देवी नर्सिंग कॉलेज में रक्तदान शिविर आयोजित, 11 यूनिट रक्त संग्रह

संवाददाता

खूंटीः सदर अस्पताल खूंटी स्थित रक्त केंद्र के तत्वावधान में निर्मला देवी नर्सिंग कॉलेज, जमुआदग में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. आनंद किशोर उरांव एवं संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेश द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाधीक्षक डॉ. आनंद किशोर उरांव ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खूंटी जिले में आए दिन गर्भवती महिलाओं, दुर्घटनाग्रस्त मरीजों एवं गंभीर रोगियों को रक्त की आवश्यकता पड़ती रहती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सेवा है। उन्होंने कहा कि ह्लरक्तदान महादानह्व है और इससे शरीर में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती है। बल्कि नियमित रक्तदान करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा कोलेस्ट्रॉल स्तर भी नियंत्रित रहता है, जिससे भविष्य में हृदयाघात जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। उन्होंने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

वहीं संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेश ने कहा कि निर्मला देवी नर्सिंग कॉलेज द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर, जागरूकता कार्यक्रम एवं सामाजिक सेवा से जुड़े विभिन्न कार्य किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए रक्तदान जैसे पुनीत कार्यों में हमेशा सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। यहां के छात्र-छात्राएं समाज सेवा की भावना के साथ लगातार रक्तदान अभियान में भाग लेते हैं। इस दौरान रक्त केंद्र के काउंसलर निशांत झा ने उपस्थित विद्यार्थियों को रक्तदान से जुड़े विभिन्न लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने रक्तदान को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करते हुए बताया कि स्वस्थ व्यक्ति सुरक्षित रूप से रक्तदान कर सकता है और इससे शरीर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान अभियान से जुड़ने की अपील की। शिविर के अंत में संस्थान के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा कुल 11 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रक्त केंद्र के सुजीत नाग, सुषमा कुजूर, पूनम भेंगरा, सुनीता देवी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों को धन्यवाद दिया गया।

दो अलग अलग सड़क हादसों में दो की मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

संवाददाता

चतरा : जिले में पिछले 48 घंटे में दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पहला हादसा शुक्रवार की देर शाम 7 बजे सदर थाना क्षेत्र के कुल्लू मोड के समीप तपेज गांव के पास घटित हुई जहां पिकअप वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार मो रेहान (21 वर्ष) की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मृतक चतरा शहर के लाइन मोहल्ला का रहनेवाला है।वहीं आज तड़के करीब 5:30 बजे हंटरगंज थाना क्षेत्र के चतरा गयाजी रोड पर थाना गेट के समीप हाइवा की चपेट में आने से व्यवसाई और कांग्रेसी नेता श्रवण साव की वृद्ध माता क्रांति देवी(61 वर्ष) की मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिजन और स्थानीय ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने चतरा-गयाजी रोड को जाम कर दिया। ग्रामीण मुआवजा और दोषी चालक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। सड़क जाम के कारण यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

प्रशासन मौके पर, समझाने की कोशिश जारी सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। प्रशासन ने उचित कार्रवाई और मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

हंटरगंज थाना क्षेत्र में दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

दुकानदार पर बहला-फुसलाकर नाबालिग से दुष्कर्म का लगा आरोप

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। गांव के ही एक दुकानदार पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगा। घटना के 19 दिन बाद पीड़िता की मां ने हंटरगंज थाना में गुरुवार देर शाम आवेदन देकर शिकायत जिसके बाद पुलिस शिकायत के आधार आरोपी को गिरफ्तार कर करके न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पीड़िता की मां द्वारा दी गई आवेदन के अनुसार यह घटना 25 अप्रैल को हुई थी। आरोपी मोहम्मद शलाबुद्दीन जो गांव का ही निवासी है, नाबालिग को घर से बहला-फुसलाकर अपनी दुकान ले गया। वहां से वह उसे अपनी दुकान के अंदर कमरे में ले गया। कमरे में आरोपी ने नाबालिग को डरा-धमकाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। उसने पीड़िता को यह बात किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। इस डर और लोक-लाज के कारण पीड़िता की मां 19 दिन तक चुप रही। जिसके बाद पीड़िता के परिजन तत्काल हंटरगंज थाने पहुंचे। पीड़िता की मां ने आरोपी के खिलाफ लिखित आवेदन देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने उनकी बेटी का जीवन बर्बाद कर दिया है।पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता की मां की आवेदन पर तत्काल आरोपी सलाउद्दीन को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अरीशान सोसाइटी द्वारा संचालित विद्यालयों का इंडक्शन सेरेमनी सह बोर्ड रिजल्ट सेलिब्रेशन आयोजित

मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित, शिक्षा समाज की सबसे बड़ी ताकत: मसूद कच्छी

संवाददाता

रांची : हिंदपीढ़ी स्थित एम आर बैंक्वेट हॉल में अरीशान एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित सिटी पब्लिक स्कूल, लिटिल एंजल्स हाई एंड इंटर स्कूल, संत केएमसी पब्लिक स्कूल का ह्लइंडक्शन सेरेमनी सह बोर्ड रिजल्ट सेलिब्रेशनह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल की तीनों शाखाओं सिटी पब्लिक स्कूल, लिटिल एंजल्स हाई स्कूल एवं सेंट केएमसी पब्लिक स्कूल के सफल छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धियों की सराहना की गई तथा नए छात्रों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। मंच से बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

स्कूल के निदेशक एवं शहर के प्रख्यात समाजसेवी मसूद कच्छी ने कहा कि मेरी सोच है कि कोई भी बच्चा पैसे की कमी के कारण अपनी पढ़ाई न छोड़े। उन्होंने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और समाज को शिक्षित बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। वहीं अरीशान एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के चेयरमैन कहकशा मसूद ने कहा कि अरीशान एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित तीनों शिक्षण संस्थान सिटी पब्लिक स्कूल, लिटिल एंजल्स हाई स्कूल एवं सेंट केएमसी पब्लिक स्कूल लगातार शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं। सोसाइटी का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिसे लोगों ने खूब सराहा। सफल विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। मंच संचालन अरीशा मसूद ने किया। इस मौके पर आसिफ जिया, टी रहमान, अबुजर, राणा तरन्नुम, नाजिया, सल सबील, आदिल, जीशान, बुशरा, मुस्कान समेत स्कूल परिवार से जुड़े सभी लोग उपस्थित थे।

पर्यटन स्थलों के विकास पर हुआ मंथन

संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के निदेर्शानुसार समाहरणालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय पर्यटन संवर्धन परिषद, खूंटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त आलोक शिकारी कच्छप ने की। बैठक में जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों के विकास, सौंदर्यीकरण एवं पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुँच पथ, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही पर्यटन स्थलों के प्रभावी प्रचार-प्रसार एवं स्थानीय लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए पर्यटन को रोजगार से जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया गया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिले की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्यटकों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं तथा विभागीय समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। बैठक में सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, जिला खेल पदाधिकारी-सह-जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

स्व-गणना में महज 1.69 लाख लोगों ने भरा ऑनलाइन फॉर्म, आज से घर-घर सर्वे शुरू

संवाददाता

रांची : झारखंड में हो रहे जनगणना के पहले चरण में 1 मई से 15 मई तक हुए स्व-गणना में लोगों ने खास रुचि नहीं दिखाई। करोड़ों की आबादी वाले इस राज्य में 1,69,184 लोगों ने स्व-गणना में भाग लिया है। भारत सरकार के जनगणना कार्य निदेशालय के आंकड़ों के मुताबिक इनमें सबसे ज्यादा रांची जिले के लोगों ने स्व-गणना में भाग लिया है, जिनकी संख्या 46629 है।

वहीं, दूसरे नंबर पर पूर्वी सिंहभूम है, जहां 18807 लोगों ने स्व-गणना किया है। सबसे कम पाकुड़ जिला में स्व-गणना हुआ है। यहां मात्र 2410 लोगों ने ऑनलाइन फॉर्म भरा है। भारत सरकार के जनगणना निदेशालय के निदेशक प्रभात कुमार के अनुसार स्व-गणना के बाद आज यानी 16 मई से 14 जून 2026 तक घर-घर सर्वे की शुरूआत हुई है।

उन्होंने कहा कि स्व-गणना कम होने के पीछे इच्छाशक्ति का अभाव माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए लगातार विभिन्न माध्यमों से जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

स्व-गणना के बाद शुरू हुआ घर-घर सर्वे

डिजिटल माध्यम से पहली बार हो रहे जनगणना के पहले चरण झारखंड में स्व-गणना के बाद आज 16 मई से 14 जून 2026 तक घर-घर सर्वे होगा। इसके तहत मकानों की सूची और हाउस लिस्टिंग होगी तत्पश्चात दूसरे और अंतिम चरण फरवरी 2027 में होगा, जिसमें जनसंख्या की गणना की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार के करीब 75000 कर्मचारी लगाए गए हैं। सरकार इस कार्य के लिए प्रत्येक कर्मचारी को 25 हजार रुपए मानदेय देगी। हाउस सर्वे में प्रगणक को 9000 रुपए मिलेगा, वहीं जनसंख्या गणना के दौरान 16000 रुपए मिलेगा। प्रत्येक प्रगणक को अधिकतम 200 घर का गणना करनी होगी। इधर, आज से शुरू हुए हाउस लिस्टिंग में लगे शिक्षकों के लिए शिक्षा विभाग ने पत्र जारी कर स्कूल कार्य के पश्चात सुबह 10 बजे के बाद विद्यालय से प्रस्थान करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि झारखंड की पिछली जनगणना 2011 में हुई थी, जिसके अनुसार राज्य की कुल जनसंख्या लगभग 3.3 करोड़ (32,988,134) थी। एक अनुमान के मुताबिक वर्तमान में राज्य की अनुमानित जनसंख्या 4.12 करोड़ से 4.15 करोड़ के बीच होने की संभावना है।

भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ के सचिव प्रभात रंजन का हुआ स्वागत

संवाददाता

रांची : रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर में भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ ग्रुप सी के झारखंड प्रदेश परिमंडलीय सचिव प्रभात रंजन का आगमन हुआ। डाकघर के कर्मचारियों ने उनका भव्य स्वागत रामगढ़ के सहायक डाक रविशंकर राय के नेतृत्व में किया । इस अवसर पर जिले के कई डाकघर के कर्मचारियों ने अपनी भिन्न प्रकार की समस्याओं से अवगत कराया ।प्रभात रंजन जी ने कहा की भारतीय डाक कर्मचारी संघ इटर देश की सबसे बड़ी मजदूर संगठन है जो राष्ट्रहित ,विभाग हित और कर्मचारी हित में काम करती है ।उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए वरीय अधिकारियों से वार्ता कर शीघ्र समाधान करने की बात कहते हुए कहा कि हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम सभी अपने कार्य स्थल पर समयनुसार ,अनुशासित रहकर ,विभाग हित और जनहित में काम करें ।उन्होंने कहा कि विभाग है तो हम है इसलिए सबसे पहले विभाग को सेवा देना चाहिए ।

प्रधान डाकघर के रविशंकर ने कहा हमारे डाकघर परिसर में मुख्य भवन के दायी ओर खाली पड़ी जमीन है जिसपर डाकघर कर्मचारियों और खाताधारकों के दोपहिया वाहनों के रख रखाव के लिए एक शेड बनाये जाने की माँग नेताजी से कही इस पर उन्होंने यथाशीघ्र वरीय अधिकारियों से वार्ता कर निर्माण कार्य शुरू करवाने की बात कही ।सभी कर्मचारियों ने इसका समर्थन किया ।जो बहुत जरूरी है ।

आज के अभिनन्दन सह सम्मान समारोह में मुख्य रूप से प्रभारी डाकपाल रामखेलावन चौधरी,अरुण कुमार सिंह,शंभु दत्त सिंह, त्रिदेव प्रियदर्शी,संतोष कुमार,राजकपूर कुमार,विकाश कुमार, अंकित कुमार,बिट्टू कुमार,चंदन कुमार महतो,सौरव कुमार,बीरबल बेदिया,रोहित कुमार,अरजलाल महतो,संतोष मुंडा ,प्रदीप कुमार समेत कई डाक कर्मी उपस्थित रहे ।

टीबी मुक्त जागरूकता को लेकर अभियान

मुरी : भारत सरकार के अहवान पर मुरी रेलवे स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीबी मुक्त भारत करने को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। डॉ जे कच्छप ने बताया कि टीबी बीमारी का इलाज है। जरा भी संदेह हो तो डाक्टर से मिलकर सलाह ले। काफी दिनों से खांसी हो रही है तो तुरंत डॉ से मिले। लपरवाही न बरते।

एंबुलेंस व कार की टक्कर में बाल बाल बचे सवार

मुरी : आज मुरी मुख्य रास्ते के सिल्लीडीह पुल के समीप बेलेनो कार और एम्बुलेंस के टक्कर में सवार लोग बाल बाल बचे। एम्बुलेंस के आगे का भाग थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया है।

एम्बुलेंस तुलिन उपरपाडा.स्थित नरसिह होम के लिए चलता था। बताया गया कि बेलेनो कार का हैंडिल लाक हो गया था इसलिए टक्कर खा गया।

गरीब, असहाय व आदिम जनजाति के लोगों को लाभ दिलाना ही उद्देष्य : डालसा

मुरी : 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत डालसा का सिल्ली प्रखण्ड के गोड़ाडीह पंचायत के गोड़ाडीह गांव में विधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें गरीब को लाभ और न्याय दिलाने को लेकर जानकारी दी गई। इस अवसर पर पीएलवी शंकर महतो, कौषल्या देवी, वंशधर महतो, राजकुमार महतो, पंकज कुमार महतो, सुनील कुमार महतो, ब्रजेष कुमार महतो, सामाजिक कार्यकर्ता ,वार्ड मेम्बर, सुशीला देवी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में कल्चरल फेस्ट का आयोजन

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में दो दिवसीय कल्चरल फेस्ट अभिव्यक्ति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत 5 थीम– ललित कला, संगीत, नृत्य, साहित्य एवं नाटक के अंतर्गत 18 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं को अपने विचारों, मनोभावनाओं और अनुभवों को शब्दों, संकेतों, कला, चित्र, नाटक, भाषण आदि के माध्यम से अभिव्यक्त करने का मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में 120 से अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया जिन्हें विविध स्पधाओं में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। जागृति चौहान, आयुष जामुदा, अनामिका कुमारी, अरविंद कुमार, प्रत्यूष कुमार, ईशिका कुमारी तथा तनु मुंडा का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने किया। कृषि संकाय के डीन डॉ डीके शाही, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के सह अधिष्ठाता प्रो डीके रूसिया एवं डीएसडब्ल्यू डॉ बीके अग्रवाल भी उपस्थित रहे। आयोजन में संकाय के शिक्षकों डॉ एसके पांडेय, डॉ अल्पना दूबे, डॉ छाया, गौरव साहू, डॉ नीति तिर्की, वंदना चौबे एवं डॉ रश्मि यादव की सक्रिय भूमिका रही।

मारवाड़ी युवा मंच ने पशुओं के लिए किया जल नाद स्थापित

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा द्वारा अध्यक्षा शुभा अग्रवाल के नेतृत्व में तिरुपति बालाजी मंदिर, नियर पहाड़ी मंदिर में जीव दया कार्यक्रम के अंतर्गत ह्यजीव अमृत धाराह्न के तहत बेसहारा पशुओं एवं गौ माता के लिए पानी पीने हेतु नाद स्थापना सेवा कार्य संपन्न किया गया।
रांची समर्पण शाखा की सदस्याओं ने भीषण गर्मी को देखते हुए पशु–पक्षियों एवं बेसहारा गौवंश के लिए जल व्यवस्था करने के उद्देश्य से नाद स्थापित कर उसमें पानी भरने की व्यवस्था की तथा गौ सेवा, प्रभु सेवा का संदेश दिया।

सुहागनों ने वट सावित्री का व्रत और पूजन किया व सुनी कथा

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : देशभर में आज वट सावित्री व्रत को लेकर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। ज्येष्ठ अमावस्या के पावन अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा और सोलह श्रृंगार कर पूजा स्थल पर पहुंचने लगीं। हाथों में पूजा सामग्री की थाली सजाए महिलाओं ने विधि-विधान के साथ वट वृक्ष (बरगद के पेड़) की पूजा-अर्चना की।

महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, परिवार की सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए यह कठिन व्रत रखा। सुबह से ही पूजा स्थलों पर भारी भीड़ के कारण माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा और पूरे क्षेत्र में जबरदस्त धार्मिक उत्साह दिखाई दिया। पारंपरिक गीतों से गूंजा पूजा स्थल, महिलाओं ने सुनी सावित्री-सत्यवान की कथा

कई सुहागिन महिलाएं समूहों में पारंपरिक लोक गीत गाते हुए पूजा स्थल तक पहुंचीं, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंग गया।पूजा के दौरान महिलाओं ने बरगद के पेड़ पर जल, रोली, अक्षत अर्पित किए और पेड़ की परिक्रमा करते हुए उस पर कच्चा सूत (धागा) बांधा। इसके बाद सभी ने एक साथ बैठकर यमराज से पति के प्राण वापस लाने वाली सती सावित्री और सत्यवान की पौराणिक कथा सुनी। कई महिलाओं ने इस दिन निर्जला व्रत (बिना पानी के) रखकर अपने पति की दीघार्यु और परिवार की खुशहाली के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

अपना घर वृद्धाश्रम में बांटे भोजन व दैनिक उपयोग की सामग्री

पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म : अभिजीत भट्टाचार्य

रांची : हटिया के सिंह मोड़ (लटमा रोड) स्थित अपना घर वृद्धाश्रम में समाजसेवी व रिटायर्ड बैंककर्मी अभिजीत भट्टाचार्य व शुभ्रा भट्टाचार्य के संयुक्त सौजन्य से उनके पिता स्व. आचिन कुमार भट्टाचार्य व माता स्व. आरती भट्टाचार्य की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति में वृद्ध महिलाओं के बीच भोजन-वस्त्र व अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बांटे गए। इस अवसर पर शहर के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता तुषार कांति शीट, तन्मय मुखर्जी, सुकृत भट्टाचार्य, अरुण सिन्हा, छ्न्दा घोष, स्मिता डे, आलोक मजुमदार सहित अन्य उपस्थित थे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉंची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–मंजु कुमारी, उम्र–16 वर्ष, रंग–सॉवला, पहनावा–सलवार सूट पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला मंजु कुमारी, उम्र–16 वर्ष, अभिभावक–बुधु महतो, सा0–सापुकेरा, थाना–लापुंग, जिला–रॉंची जो दिनांक–14.04.2026 को ब्लॉक जाने को कहकर निकली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में लापंग थाना काण्ड सं0–15/2026, दिनांक–16.04.2026 धारा–137(2)/96 बी0एन0एस0 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, बेडो, रॉंची। –9431728777
थाना प्रभारी, लापुंग, रॉंची। –9431706178
PR 379935 Police(26-27)D

वरीय पुलिस अधीक्षक,
रॉंची।

अनिल टाइगर हत्याकांड का सुपारी किलर सूरज गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : कांके चौक पर भाजपा नेता अनिल टाइगर हत्याकांड मामले में रांची पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस प्रकरण में रांची पुलिस ने सुपारी किलर सूरज को गिरफ्तार कर लिया है। राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रांची पुलिस की टीम ने सूरज को पकड़ा है। गिरफ्तार सूरज ने देवब्रत शाहदेव के साथ मिलकर अनिल टाइगर हत्याकांड की पूरी प्लानिंग की थी। रांची पुलिस की टीम सूरज से गुप्त जगह पर पूछताछ कर रही है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार सूरज ने हत्या के पीछे का कारण भी बताया है। इसके अलावा उसने पुलिस को यह भी बताया कि उसी ने शूटर को रेकी करने और गोली मारने की जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, इस मामले में जल्द ही रांची पुलिस प्रेसवार्ता कर पूरी जानकारी पत्रकारों से साझा करेगी।

होटल में खाना खाने के बहाने पहुंचे थे अपराधी

बताया जा रहा है कि अनिल टाइगर कांके चौक स्थित एक होटल में बैठकर मोबाइल देख रहे थे। उसी दौरान दोनों अपराधी खाना खाने के बहाने होटल में पहुंचे। इस दौरान रोहित ने गोली चलाने से मना कर दिया। इसके बाद अमन ने अपने बैग से पिस्टल निकाली और अनिल टाइगर के सिर में सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ भी हुई थी, जिसमें एक अपराधी को पकड़ लिया गया था। वहीं, घटना के कुछ दिनों बाद मामले में शामिल अन्य अपराधियों को भी रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

रूडसेट संस्थान में प्रशिक्षण का शुभारंभ

मेट्रो रेज संवाददाता

मुरी : श्री धर्मस्थला मंजूनाथेवश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं कैनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान, सिल्ली में 30 दिवसीय एवं 10 दिवसीय फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी तथा वाणिज्यिक बागवानी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि नेहा तिर्की, शाखा प्रबंधक, केनरा बैंक सिल्ली ने किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और वाणिज्यिक बागवानी जैसे कौशल युवाओं के लिए स्वरोजगार के सशक्त माध्यम बन रहे हैं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान अनुशासन, समर्पण और मेहनत के साथ सीखने के लिए प्रेरित किया।

संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने बताया कि 30 दिवसीय इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को आधुनिक कैमरा संचालन, वीडियो शूटिंग, एडिटिंग तकनीक, लाइटिंग, फ्रेमिंग एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करने की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। वहीं वाणिज्यिक बागवानी प्रशिक्षण के अंतर्गत उन्नत खेती तकनीक, नर्सरी प्रबंधन, फल-फूल एवं सब्जियों की व्यावसायिक खेती, बाजार प्रबंधन तथा आयवर्धन के उपायों पर विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षुओं ने भी इस अवसर को अपने भविष्य के लिए लाभकारी बताते हुए प्रशिक्षण से अधिकतम ज्ञान प्राप्त करने का संकल्प लिया। अंत में संस्थान की ओर से मुख्य अतिथि का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 30 दिनों तक नियमित रूप से संचालित किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के अनेक युवक-युवतियाँ भाग ले रहे हैं। इस मौके पर रूडसेट संस्थान के वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार , जगदीश चंद्र महतो, डी एस टी चंद्र भाषण झा , दशरथ कुमार महतो, रमेश कुम्हार, सुनील मुंडा उपस्थि रहे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 05 वर्ष 2026–27

पत्रांक :– गुमला, दिनांक :– 15/05/2026

1. विभाग का नाम :– जल संसाधन (लघु सिंचाई) विभाग, झारखंड सरकार, रॉंची।
2. विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र की विकी की तिथि :– 25.05.2026 तक (03:00 बजे अपराह्न तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एंव समय :– 26.05.2026 को 03:00 बजे अपराह्न् तक
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 26.05.2026 को 03:30 बजे अपराह्न्
6. परिमाण विपत्र विकी का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला। (2) सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई अनुमंडल, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति एंव निविदा खोलने का स्थान :– कार्यालय परिसर, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
8. परिमाण विपत्र का मूल्य :– राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट जों राष्ट्रीयकृत बैंक, गुमला में भुगतेय हो, मान्य होगा।
9. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप सं0	योजना का नाम	प्रखंड	योजना मद का नाम	परिमाण विपत्र की राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि	निविदादाता की समुचित श्रेणी
1	Construction and Beautification for Devaki Baba Dham Mandir	घाघरा	पर्यटन	24,94,800.00	49,900.00	5,000.00	तीन माह	श्रेणी–03

निविदा की शर्तें :– 1. बैंक ड्राफ्ट निबंधित संवेदक के स्वयं के खाता से निर्गत हुआ हो तथा बैंक ड्राफ्ट की वैद्यता अवधि निविदा की प्रकाशन की तिथि से तीन माह तक का हो, मान्य होगा ।
2. निविदा प्रपत्र बिक्री के समय संवेदक को निबंधन प्रमाण पत्र, आचरण प्रमाण पत्र एवं अद्यतन युकेन संलग्न करना अनिवार्य होगा ततपश्चात ही निविदा प्रपत्र निर्गत किया जाएगे।
3. निविदा में 10% न्युनतम दर से अधिक न्युनतम दर उद्धृत करने पर प्राक्कलित राशि का 20% अथवा 30% अतिरिक्त जमा राशि का डाकधर सावधी जमा पासबुक/बैंक द्वारा निर्गत फिक्स डिपोजिट निविदा के साथ जमा करना अनिवार्य होगा ।
4. जो निम्न है:– 1. 10% से 20 प्रतिशत कम दर की राशि का 20% तक।
2. 20% प्रतिशत से अधिक कम दर की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत राशि देय होगा ।
10. निविदा से संबंधित सभी सूचना अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचनापट पर देखा जा सकता है।

E-mial ID – eemidgum@gmail.com.
PR 379925 Minor Irrigation(26-27).D

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

नीट परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल

भारत की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था केवल प्रवेश की प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक न्याय, अवसर और प्रतिभा-परीक्षण का आधार है। जब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा को लेकर अनियमितता, संदिग्धता या रद्दीकरण की स्थिति बनती है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती बल्कि लाखों विद्यार्थियों का भरोसा, समय और मानसिक संतुलन भी टूटता है। परीक्षा किसी तकनीकी आयोजन भर का नाम नहीं है; यह उस भरोसे का प्रतीक है जिसमें राज्य यह सुनिश्चित करता है कि परिश्रम, योग्यता और तैयारी का उचित मूल्य मिलेगा। इसलिए परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता किसी भी लोकतांत्रिक शिक्षा-व्यवस्था की रीढ़ होती है। नीट जैसे मामलों में सबसे चिंताजनक तथ्य केवल यह नहीं कि कोई एक घटना घट गई बल्कि यह है कि ऐसी घटनाएँ बार-बार क्यों सामने आती हैं। जब कोई राष्ट्रीय परीक्षा संदेह के घेरे में आती है, तो पूरा सार्वजनिक विश्वास डगमगाने लगता है। विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक, कोचिंग संस्थान और प्रशासन, सभी एक ऐसे प्रश्न से जूझते हैं जिसका उत्तर केवल प्रेस विज्ञप्तियों से नहीं मिल सकता। प्रश्न यह है कि क्या हमारी परीक्षा-व्यवस्था वास्तव में इतनी मजबूत है कि वह पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुरक्षा–तीनों मोर्चों पर एक साथ टिक सके? यदि नहीं तो समस्या केवल एक परीक्षा की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की है।

परीक्षा-व्यवस्था का संकट अचानक पैदा नहीं होता। यह उन छोटी-छोटी कमजोरियों से बनता है जिन्हें समय रहते ठीक नहीं किया जाता। प्रश्नपत्र निर्माण की प्रक्रिया, गोपनीय सामग्री का संरक्षण, लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, तकनीकी सत्यापन, पहचान-प्रक्रिया और उत्तर-पत्रों की हैंडलिंग–इन सभी स्तरों पर यदि एक भी कड़ी कमजोर हो जाए, तो पूरी व्यवस्था संदेह के घेरे में आ सकती है। आधुनिक समय में परीक्षा केवल कागज-कलम का आयोजन नहीं रह गयी है; वह सूचना, सुरक्षा और नियंत्रण के अत्यंत जटिल नेटवर्क से जुड़ी प्रणाली बन चुकी है। इसलिए किसी भी स्तर पर हुई लापरवाही का सीधा प्रभाव छात्रों के भविष्य पर पड़ता है।

यह भी समझना होगा कि परीक्षा-प्रणाली में भरोसा केवल पारदर्शिता से नहीं बनता बल्कि निरंतरता से बनता है। यदि विद्यार्थी को यह आश्वासन न हो कि उसकी मेहनत का मूल्य स्थिर और सुरक्षित है, तो उसकी तैयारी अनिश्चितता में बदल जाती है। एक ईमानदार छात्र परीक्षा केंद्र तक पहुँचने से पहले ही मन में कई प्रश्न लेकर आता है- क्या प्रश्नपत्र सुरक्षित रहेगा? क्या कोई अनुचित लाभ नहीं ले जाएगा? क्या पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष होगी? जब ऐसे प्रश्न सामान्य हो जाएँ, तब समझ लेना चाहिए कि संकट केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। शिक्षा का मूल उद्देश्य अवसर की समानता है, और यदि वही कमजोर पड़ जाए, तो व्यवस्था अपने उद्देश्य से भटक जाती है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा जैसी परीक्षा में यह चिंता और अधिक गंभीर हो जाती है, क्योंकि यह केवल एक पेशेवर प्रवेश-परीक्षा नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के सामाजिक-आर्थिक सपनों का केंद्र है। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र, निम्न-मध्यम वर्ग के अभ्यर्थी और छोटे शहरों के युवा सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी योग्यता के बल पर आगे बढ़ने का सपना देखते हैं। लेकिन जब परीक्षा की शुचिता पर प्रश्न उठते हैं, तब सबसे अधिक नुकसान इन्हीं विद्यार्थियों का होता है। जिनके पास प्रभाव, संसाधन या नेटवर्क है, वे कई बार व्यवस्था की कमजोरियों से निकल जाते हैं; पर जिनके पास केवल मेहनत है, वे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इसलिए परीक्षा की पारदर्शिता केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। परीक्षा-व्यवस्था का संकट विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पहले ही अत्यधिक तनावपूर्ण होती है। छात्र लंबे समय तक कठोर अनुशासन, सीमित सामाजिक जीवन, पारिवारिक अपेक्षाओं और भविष्य की अनिश्चितता के बीच रहते हैं। जब ऐसी स्थिति में परीक्षा का भविष्य ही संदिग्ध हो जाए तो मानसिक दबाव कई गुना बढ़ जाता है। कुछ विद्यार्थी हताश हो जाते हैं, कुछ अपनी रणनीति बार-बार बदलते हैं, और कुछ गहरे अवसाद में भी चले जाते हैं। इसलिए परीक्षा-प्रशासन को यह समझना चाहिए कि वह केवल तिथियाँ घोषित करने या केंद्र स्थापित करने का काम नहीं कर रहा बल्कि युवाओं के भविष्य का भरोसा संभाल रहा है। डिजिटल युग ने परीक्षा-प्रशासन को सुविधाएँ भी दी हैं और नई चुनौतियाँ भी। ऑनलाइन पंजीकरण, डिजिटल पहचान, सीसीटीवी निगरानी, एन्क्रिप्टेड डेटा और केंद्रीकृत नियंत्रण जैसी व्यवस्थाओं ने परीक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाया है। लेकिन इसी के साथ तकनीकी जोखिम भी बढ़े हैं। डेटा लीक, सॉफ्टवेयर में छेड़छाड़, आंतरिक मिलीभगत, साइबर घुसपैठ और गलत सूचना का प्रसार–ये सभी नई चुनौतियाँ बनकर सामने आए हैं। इसलिए केवल तकनीक अपनाना पर्याप्त नहीं है; उसकी सुरक्षा, ऑडिट और जवाबदेही भी उतनी ही मजबूत होनी चाहिए। यदि तकनीक ही कमजोर हो जाए, तो पारदर्शिता का दावा खोखला साबित होगा। परीक्षा-व्यवस्था में सुधार के लिए सबसे पहले जवाबदेही तय करनी होगी। जब कोई परीक्षा विवाद में आती है, तो अक्सर ध्यान केवल घटना पर केंद्रित रहता है। लेकिन असली प्रश्न यह है कि उस घटना की अनुमति किसकी लापरवाही से मिली। परीक्षा-आयोजक संस्था, संबंधित मंत्रालय, सुरक्षा एजेंसियाँ, केंद्र-स्तरीय अधिकारी और स्थानीय प्रशासन- सभी की भूमिका की समीक्षा आवश्यक है। जवाबदेही का अर्थ केवल किसी एक अधिकारी को हटाना नहीं बल्कि पूरे ढाँचे का पुनर्मूल्यांकन करना है। यदि दोषी पकड़े नहीं जाते, प्रक्रिया की कमियाँ सार्वजनिक नहीं होतीं और सुधारात्मक कदम नहीं उठाए जाते, तो हर बार वही संकट दोहराया जाएगा। दूसरी आवश्यकता स्वतंत्र और समयबद्ध ऑडिट की है। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परीक्षा-समापन तक हर चरण का सुरक्षित रिकॉर्ड होना चाहिए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल जांच संभव हो, इसके लिए ऐसा तंत्र चाहिए जो पारदर्शी भी हो और तेज भी। साथ ही परीक्षा-प्रबंधन में बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जहाँ कोई एक व्यक्ति या विभाग पूरी प्रक्रिया पर एकाधिकार न रखे। नियंत्रण का विकेंद्रीकरण और निगरानी का केंद्रीकरण- यही संतुलन सुरक्षित परीक्षा तंत्र की आधारशिला बन सकता है। तीसरी आवश्यकता विश्वसनीय संवाद व्यवस्था की है। सोशल मीडिया के दौर में अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं। ऐसे में संस्थाओं को केवल सही सूचना ही नहीं बल्कि समय पर सूचना भी देनी चाहिए। अस्पष्टता संदेह को जन्म देती है। यदि छात्रों को यह स्पष्ट न हो कि अगला कदम क्या होगा, परिणाम कब आएगा या पुनर्परीक्षा होगी या नहीं, तो वे अनावश्यक तनाव में घिर जाते हैं। इसलिए परीक्षा-प्रशासन को अपने संवाद को औपचारिकता से निकालकर भरोसेमंद सार्वजनिक सेवा में बदलना होगा। चौथी और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता कठोर और निश्चित दंड व्यवस्था की है। प्रश्नपत्र लीक, जालसाजी, सेंधमारी या आंतरिक सहयोग जैसी अनियमितताओं पर केवल नैतिक निंदा पर्याप्त नहीं है। जब तक अपराधियों को त्वरित और निश्चित दंड नहीं मिलेगा, तब तक व्यवस्था में सुधार अधूरा रहेगा। शिक्षा-क्षेत्र में दंड का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं बल्कि निवारण होना चाहिए। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि अनियमितता करने वाला यह समझ सके कि उसे लाभ नहीं बल्कि त्वरित क्षति मिलेगी। तभी ईमानदार विद्यार्थी को यह भरोसा मिलेगा कि उसकी मेहनत सुरक्षित है।

पेट्रोल संकट का दीर्घकालीन समाधान भारत के पास है

> सरकार ने अभी तक तो घरेलू ऊर्जा जरूरतों पर बढ़ी हुई कीमतों का उतना असर नहीं होने दिया है किन्तु लंबे समय तक ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान को ध्यान में रख कर ही सरकार ने एथनोल को पेट्रोल में मिला कर पेट्रोलियम पदार्थों की मांग कम करने का प्रयास शुरू किया है।

कुलभूषण उपमन्यु

ईरान, इजराइल-अमेरिका युद्ध ने वैश्विक स्तर पर खनिज तेल आधारित ऊर्जा व्यवस्था को डांवाडोल कर दिया है। भारतवर्ष पर इसका खासा असर होना स्वाभाविक है क्योंकि हमारी 85 फीसद ऊर्जा जरूरतें आयात के माध्यम से ही पूरी होती हैं और इसका बड़ा भाग मध्य पूर्वी देशों से ही आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री नौवहन में युद्ध के कारण आई रुकावट के चलते यह स्पष्ट हो चुका है कि इस तरह की स्थितियां देश की घरेलू, औद्योगिक, और सैनिक जरूरतों के लिए घातक साबित हो सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में युद्ध के चलते खनिज तेल की कीमतें दुगनी हो चुकी हैं।

सरकार ने अभी तक तो घरेलू ऊर्जा जरूरतों पर बढ़ी हुई कीमतों का उतना असर नहीं होने दिया है किन्तु लंबे समय तक ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान को ध्यान में रख कर ही सरकार ने एथनोल को पेट्रोल में मिला कर पेट्रोलियम पदार्थों की मांग कम करने का प्रयास शुरू किया है। एथनोल के प्रयोग को लगातार बढ़ाते जाने की योजना पर काम हो रहा है, लेकिन इसकी भी सीमा है जिससे आगे एथनोल उत्पादन संभव नहीं होगा। हमारे पास और भी संसाधन हैं जिनके योजनाबद्ध उपयोग से हम उर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता में बड़ा योगदान कर सकते हैं। हमारे पास कृषि अपशिष्ट और गोबर का प्रचुर भंडार है, जिससे मीथेन, सीएनजी, पीएनजी बना कर खनिज तेल की आयात जरूरतों को कम किया जा सकता है। फिलहाल उपलब्ध गोबर का उपयोग करने पर क्या स्थितियां बनेंगी इस पर विचार करते हैं।

देश में 2025 की पशु गणना के अनुसार 193.50 करोड़ गोवंश और 109.85 करोड़ भैंस हैं। कुल 303.35 करोड़ ऐसा पशु धन है जिनके गोबर से मीथेन गैस बनाई जा सकती है। एक किलो मीथेन गैस बनाने के लिए लगभग 30 किलो गोबर चाहिए, जो हमें दो पशुओं से दैनिक प्राप्त हो सकता है। इस तरह 150 करोड़ किलो गैस प्रतिदिन बनाई जा सकती है। साल में कुछ कमीबेशी को छोड़ दें तो 300 दिन का गिनते हैं। इससे 45000 करोड़ किलो गैस प्रतिवर्ष बनाई जा सकती है। इसको टन में बदल लें तो 45 करोड़ टन हुए। एक सिलिंडर में 15 किलो गैस के हिसाब से एक टन से 66 सिलेंडर भरे जा सकते हैं। 45 करोड़ टन से 2970 करोड़ सिलेंडर भरे जाएंगे। देश की आबादी को 140 करोड़ मानते हुए औसत पांच प्राणियों का परिवार मानते हुए 28 करोड़ परिवार हुए। यदि हर महीने प्रति परिवार एक सिलेंडर की खपत मान कर चलें तो 12 महीने में 336 करोड़ सिलेंडर की खपत होगी। जबकि हमारे पास संसाधन 2970 करोड़ सिलेंडर भरने की है। यानि इस क्षमता का 15-20 प्रतिशत दोहन भी कर लिया जाए तो घरेलू खपत को पूरा किया जा सकता है और इससे आगे व्यवसायिक खपत की भी गुंजाइश रह जाती है। हर घर में गोबर गैस प्लांट बनाना शायद संभव नहीं होगा किन्तु कुछ में तो संभव होगा। शेष संसाधन को वाणिज्यिक स्तर पर बड़े और आधुनिक तकनीक पर कार्य करने वाले गोबर गैस प्लांट बना कर ऊर्जा सुरक्षा की ओर आत्मनिर्भर कदम बढ़ाया जा सकता है, और आयात बिल और विदेशी मुद्रा को भी बचाया जा सकता है। जिस तरह एथनोल उत्पादन कार्य को गंभीरता से तेज गति से बढ़ाया गया है यदि उसी भावना से गोबर गैस उत्पादन को भी वाणिज्यिक स्तर पर प्रोत्साहन दे कर आगे बढ़ाया जाए तो बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। इससे किसानों को भी गोबर उपलब्ध करवाने के बदले अतिरिक्त कमाई हो सकती है। इस प्रक्रिया में गैस तो निकल जाती है, शेष गोबर, डाईजेस्टर में अच्छी तरह सड़ कर बाहर आता है जो ज्यादा गुणवत्ता पूर्ण खाद होता है। इसके अलावा फसलों के अपशिष्ट, पराली या गेहूं के अपशिष्ट भी सीएनजी, पीएनजी बनाने के लिए उपयोग कर लिए जाएं तो काफी बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस के आयात में कमी आ सकती है।

फसल अपशिष्ट से सीएनजी बनाने के कुछ संयंत्र तो शुरू भी हो चुके हैं। इन सब कामों के लिए तकनीक तो हमारे पास उपलब्ध ही है केवल राजनीतिक इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प से आरंभ करने की बात है। फसल अपशिष्ट इस तरह इस्तेमाल कर लेने से उन्हें जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण और उससे होने वाली बीमारियों और असमय मौतों से भी बचा जा सकता है। इस कार्य में भी कुछ कठिनाइयां तो आएंगी किन्तु अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गुलामी से मुक्ति भी तो मिलेगी।

(लेखक, पर्यावरणविद और हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं)

अब घुसपैठ से मुक्त होगा पश्चिम बंगाल

> अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है।

सुरेश हिंदुस्तानी

पश्चिम बंगाल में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तौर पर शुभेन्दु अधिकारी ने शासन की बागडोर संभाल ली है। भाजपा का यह स्पष्ट नारा रहा है कि वह विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करेगी। इसलिए पश्चिम बंगाल के जनादेश में इस पर अब जनता की मुहर भी लग गई है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर अपने शासन का संचालन किया। इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का भी समर्थन भी शामिल रहा। अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है। क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधु एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज के ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट हैं। जबकि यह भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा। लम्बे समय से पश्चिम बंगाल में जनसंख्या का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना कई प्रकार के सवाल खड़ा करता रहा है। इसके पीछे बांग्लादेश से आए घुसपैठिए भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से बंगाल ही नहीं, असम भी प्रभावित है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को यह समस्या दिखाई नहीं देती। असम और पश्चिम बंगाल की जनता इस घुसपैठ के विरोध में खड़ी हो गई है, इसलिए इस बार का जनादेश भी बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में आया। इसी के चलते असम में भाजपा सरकार का पुनः बनना और पश्चिम बंगाल में एक नए राजनीतिक उदय के साथ सत्तारूढ़ होना इसी बात का परिचायक है कि भाजपा ही नहीं, जनता भी देश से घुसपैठियों को निकालने का मन बना चुकी है। सुनने में यह भी आ रहा है जो बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल में घुसपैठ करके आए, वे अपने देश वापस जाने का मानस बना चुके हैं। इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि अब पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में प्रारंभ से ही इस बात पर जोर दिया था कि वह विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ है। भाजपा के नेताओं के भाषण भी इसी पर केंद्रित रहते थे। इस मुद्दे पर भाजपा को जनता का भी समर्थन मिला और जनता ने भाजपा को बहुमत दे दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जो कार्य किए, वह कहीं न कहीं हिन्दू समाज को नीचा दिखाने वाले ही थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के नेता शायद इस बात को भूल गए कि बहुसंख्यक समाज को नकारने की राजनीति एक प्रकार से उसके लिए सत्ता से अलग होने की तस्वीर पेश कर सकती है।

पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से बहुत प्रभावित हुए हैं। यहां पर अप्रत्याशित रूप से जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। कई जगह अचानक ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनते जा रहे हैं। जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और मालदा आदि है। यह तीनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। इसके चलते बंगाल में अपराध भी बहुत होने लगे हैं। इसका कारण यही माना जा रहा है कि जो व्यक्ति घुसपैठ करके आए हैं, उनके सामने रोजगार का संकट है। जब रोजगार नहीं मिलेगा तो स्वाभाविक रूप से व्यक्ति गलत कार्य भी करने लगता है। इससे की दशा और दिशा भी खराब हो रही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रास्ते कई बांग्लादेशी नागरिक घुसपैठ करते रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की मदद से वे सभी अपने आशियाने भी बना रहे थे, इनके ज्यादातर आशियाने अवैध कब्जा करके ही बने हैं। तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय इनको पर्याप्त संरक्षण भी मिला। उल्लेखनीय है जिन क्षेत्रों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बढ़ी है, वे सभी तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्र रहे हैं। इन क्षेत्रों में हिन्दू समाज का कोई भी व्यक्ति जाने से डरता है। सवाल यह है कि यह डर किसने पैदा किया और इसको संरक्षण देने वाले कौन हैं। तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए इनको ताकत देने का काम किया। और यही उसकी हार का कारण भी बना।

अब पश्चिम बंगाल का राजनीतिक दृश्य परिवर्तित हो चुका है। जिन्होंने लम्बे समय तक अमानुषिक अत्याचार सहन किए, वे सत्ता में आ चुके हैं, लेकिन भाजपा को यह सत्ता ऐसे ही नही मिल गई। उसके सैकड़ों कार्यकर्ता का बलिदान इस जीत के नींव के पत्थर बने। चुनाव के बाद शुभेन्दु अधिकारी के निजी सहायक देवनाथ की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह कार्य प्रशिक्षित अपराधियों ने किया। संभावना इस बात की भी है कि घटना के बाद ये बांग्लादेश भाग चुके हैं। इसे राजनीतिक हत्या के तौर पर भी देखा जा रहा है और इसके आरोप तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर लग रहे हैं।

घुसपैठियों की समस्या से त्रस्त पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद विदेशी घुसपैठिओं के चेहरे उतरने लगे हैं, क्योंकि अब इन विदेशी घुसपैठियों को सहन नहीं किया जाएगा। अब उनको बाहर जाना ही होगा। भाजपा की सरकार ही इनको बाहर निकलेगी। देश के गृह मंत्री अमित शाह इसकी चेतावनी पहले से ही देते रहे हैं। यहां यह कहना भी उचित होगा कि भाजपा ने केवल घुसपैठियों को बाहर निकालने की ही बात की है, भारत के मुसलमानों की नहीं, लेकिन विपक्ष और खासकर तृणमूल कांग्रेस ने ऐसा भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि सारे मुस्लिमों पर इसका प्रभाव होगा। विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना सभी चाहते हैं, विपक्ष को इस मुद्दे पर भाजपा का साथ देना चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय हित की बात है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जहां शिव के साथ विराजती हैं शक्ति, विश्व का इकलौता ऐसा मंदिर

शिव भक्त भगवान शिव की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए किसी भी शिवालय में जाकर भगवान शिव की पूजा करते हैं। वहीं भगवान शिव की पूजा करने से जातक के जीवन के कष्टों का अंत होता है। लेकिन द्वादश ज्योतिर्लिंग यानी कि भगवान शिव के 12 शिवलिंगों की पूजा और दर्शन करने का अपना एक अलग महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन और सुबह-शाम के स्मरण मात्र से व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। द्वादश ज्योतिर्लिंग में देवघर के बाबा बैद्यनाथ की पूजा का

विशेष महत्व होता है। क्योंकि यह इकलौता ऐसा ज्योतिर्लिंग है, जिसके साथ शक्तिपीठ भी मौजूद है।

कामना ज्योतिर्लिंग

झारखंड के देवघर में द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से बाबा बैद्यनाथ का ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठों में से एक मां पार्वती की शक्तिपीठ एक साथ विराजमान है। जिसकी वजह से बाबा बैद्यनाथ को कामना ज्योतिर्लिंग भी कहते हैं। क्योंकि यहां पर जो भक्त आते हैं, वह भगवान शिव के साथ मां शक्ति की भी पूजा-अर्चना करते हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

विश्व का इकलौता ज्योतिर्लिंग

बता दें कि देवघर में बाबा बैद्यनाथ का ज्योतिर्लिंग विश्व का एकमात्र ऐसा ज्योतिर्लिंग है। जहां पर ज्योतिर्लिंग के साथ शक्तिपीठ भी मौजूद है। शिव और शक्ति के एक साथ होने से बाबा नगरी और बाबा बैद्यनाथ का महत्व विश्व विख्यात है।

शिव और शक्ति की पूजा

आध्यात्म जगत में शिव और शक्ति की पूजा का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि भगवान शिव और शक्ति जीवन के दो मूलभूल स्तंभ हैं। वहीं पौराणिक कथाओं के मुताबिक देवघर में मां सती का हृदय गिरा था। जिस वजह से देवघर में भगवान शिव के साथ मां पार्वती का भी निवास है। बाबा नगरी में बसे भगवान शिव और शक्ति के दर्शन के लिए भक्त दूर-दूर से यहां पहुंचते हैं और मां पार्वती और भगवान शिव की एक साथ पूजा की जाती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

बच्चों से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण : एसपी

संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिला पुलिस की ओर से शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में बाल संरक्षण और बाल-संवेदनशील पुलिसिंग को लेकर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विशेष किशोर पुलिस इकाइयों (एसजेपीयू) को मजबूत बनाना और बच्चों से जुड़े मामलों में पुलिस की कार्यप्रणाली को अधिक संवेदनशील, प्रभावी और कानूनसम्मत बनाना था। यह कार्यक्रम पुलिस विभाग की ओर से यूनिसेफ के सहयोग और सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स (सीसीआर), नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) के तकनीकी सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यशाला में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए 39 बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों (सीडब्ल्यूपीओ) ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित रेणु ने कहा कि बच्चों से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम और पॉक्सो एक्ट के तहत मामलों के सही दस्तावेजीकरण और बाल-अनुकूल प्रक्रिया अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संवेदनशील पुलिसिंग से पीड़ित बच्चों को न्याय दिलाने में मदद मिलती है और उनके अधिकारों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

पुलिस लाइन के मेजर मंसूर गोप ने बताया कि यूनिसेफ और सीसीआर, एनयूएसआरएल के सहयोग से सात चरणों में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को इसका पांचवां चरण संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को बच्चों से जुड़े मामलों के प्रति अधिक जागरूक और प्रशिक्षित बनाना है। कार्यक्रम में यूनिसेफ के बाल संरक्षण अधिकारी गौरव कुमार ने किशोर न्याय अधिनियम 2015 और झारखंड किशोर न्याय नियम 2017 के तहत बाल-संवेदनशील पुलिसिंग की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बाल भिक्षावृत्ति, बाल तस्करी, मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में बच्चों के इस्तेमाल और अन्य अपराधों की पहचान तथा उनसे निपटने की कानूनी प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। प्रशिक्षण के दौरान बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों की भूमिका, पुलिस थानों में बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई और प्रोबेशन अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय जैसे विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यशाला में बाल विवाह, लैंगिक शोषण और विधि से संघर्षरत बच्चों से जुड़े मामलों पर आधारित केस स्टडी प्रस्तुत की गईं। बाल कल्याण समिति के सदस्य मोहम्मद समीम ने प्रतिभागियों के क्षमता आकलन और भविष्य की रणनीति को लेकर समूह चर्चा कराई। वहीं अनिरुद्ध सरकार ने पालक देखभाल और आफ्टर केयर योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर झामुमो छात्र संगठन ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

देवघर : नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में छात्रों और अभिभावकों के बीच आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को देवघर के टावर चौक पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में झामुमो छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष संजय शर्मा, वरिष्ठ नेता सुरेश शाह, मनोज दास सहित बड़ी संख्या में छात्र और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और छात्रों के हित में पारदर्शी एवं निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में बार-बार सामने आ रहे पेपर लीक और धांधली के मामलों ने लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है।

उनका आरोप था कि परीक्षा रद्द होने से छात्रों की वर्षों की मेहनत और मानसिक संतुलन पर प्रतिकूल असर पड़ा है। झामुमो नेताओं ने कहा कि नीट परीक्षा के माध्यम से देश को योग्य और होनहार चिकित्सक मिलते हैं। डॉक्टरों को धरती पर भगवान का स्वरूप माना जाता है, क्योंकि वे लोगों को नई जिंदगी देते हैं। ऐसे में यदि मेडिकल प्रवेश परीक्षा ही भ्रष्टाचार और बेईमानी की भेंट चढ़ जाए, तो यह केवल छात्रों के साथ अन्याय नहीं बल्कि पूरे समाज के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। जिला अध्यक्ष संजय शर्मा और सुरेश शाह ने संयुक्त बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली तक भाजपा शासनकाल में पेपर लीक एक गंभीर समस्या बन चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर क्यों देश की लगभग हर बड़ी परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले बाजार में उपलब्ध हो जाता है।

उन्होंने कहा कि एक ओर देश में बेरोजगारी और महंगाई युवाओं को परेशान कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली उनके सपनों पर कुठाराघात कर रही है। झामुमो नेताओं ने केंद्र सरकार से दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाने की मांग की।

धनबाद स्टेशन पर मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान, 68 यात्री पकड़े गए

संवाददाता

धनबाद : धनबाद मंडल में टिकट जांच अभियान लगातार तेज किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को धनबाद स्टेशन पर रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले, बिना उचित प्राधिकार के सफर कर रहे तथा बिना बुक किए सामान के साथ यात्रा कर रहे कुल 68 यात्रियों को पकड़ा गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार पकड़े गए यात्रियों से जुमार्ने के रूप में कुल 30 हजार 115 रुपये वसूले गए। साथ ही सभी यात्रियों को भविष्य में उचित टिकट लेकर यात्रा करने की सख्त हिदायत दी गई।

चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशन परिसर के अलावा विभिन्न मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में भी टिकट जांच की गई। इस दौरान धनबाद स्टेशन के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की काफी भीड़ देखने को मिली।

धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल ने यात्रियों से अपील की है कि वे उचित टिकट लेकर ही प्लेटफॉर्म में प्रवेश करें तथा जिस श्रेणी का टिकट हो उसी श्रेणी में यात्रा करें। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस तरह के टिकट जांच अभियान लगातार जारी रहेंगे।

सेवा और संगठन ही पार्टी की असली ताकत : अर्जुन मुंडा

संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के किरीबुरू स्थित रिक्रिएशन क्लब (सामुदायिक भवन) में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा-अभियान शिविर 2026 का शुभारंभ किया गया। संगठन विस्तार, वैचारिक मजबूती और आगामी चुनावी रणनीति को लेकर आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में जिले भर से भाजपा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महिला मोर्चा की कार्यकर्ता और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुवर गगराई और प्रशिक्षण शिविर प्रमुख मनोज सिंह ने संयुक्त रूप से पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया। मंच से नेताओं ने भाजपा की वैचारिक परंपरा, संगठनात्मक संस्कृति और कार्यकर्ता आधारित राजनीति पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर अर्जुन मुंडा ने कहा कि भाजपा की असली शक्ति उसके प्रशिक्षित और अनुशासित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को गांव-गांव तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकताओं से सेवा, समर्पण और जनसंपर्क को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति सत्ता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण के लिए है। शिविर में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, सोशल मीडिया की भूमिका, जनसंपर्क अभियान और आगामी चुनावी तैयारियों पर भी चर्चा हुई।

केंद्र सरकार जाति आधारित जनग   ाना नहीं कराती है तो कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन करेगी : प्रदीप यादव

संवाददाता

देवघर : कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि वर्तमान में देश में वर्ष 2026 की जनगणना प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और गणनाकर्मी घर-घर जाकर 33 बिंदुओं पर जानकारी एकत्र करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इन बिंदुओं में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, जिससे यह प्रतीत होता है कि जातिगत आंकड़ों का समुचित संकलन नहीं किया जा रहा है।

यादव शुक्रवार को देवघर परिसदन में प्रेस वाता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार देशव्यापी जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। उनके अनुसार जातिगत जनगणना देश की सामाजिक संरचना का ह्लएक्स-रेह्व है, जिसके माध्यम से यह समझा जा सकता है कि आजादी के 75 वर्षों में किन वर्गों का कितना विकास हुआ और किन समुदायों को अब भी अपेक्षित अवसर नहीं मिले।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार जाति आधारित जनगणना नहीं कराती है तो राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन करेगी। दूसरे मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चिंता व्यक्त की। उनका आरोप था कि गैर-भाजपाई, गरीब, पिछड़े, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने प्रत्येक बूथ स्तर पर बीएलए-2 नियुक्त कर प्रशिक्षण शुरू कर दिया है, ताकि मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की जा सके।

तीसरे मुद्दे के रूप में उन्होंने देश में बढ़ती महंगाई, ईंधन संकट और गैस की कमी पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि देश कोरोना काल जैसी परिस्थितियों की ओर बढ़ रहा है। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले पर उन्होंने कहा कि देश की सबसे महत्वपूर्ण मेडिकल प्रवेश परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होना शासन व्यवस्था की गंभीर विफलता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर देशभर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बिहार में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल को लेकर पूछे गए प्रश्न पर प्रदीप यादव ने कहा कि आम जनता को भ्रमित और भयभीत किया जा रहा है।

वित्त मंत्री राधा कृष्णा किशोर तथा सांसद सुखदेव भगत द्वारा प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व पर उठाए गए सवालों पर उन्होंने कहा कि नए संगठनात्मक ढांचे में प्रारंभिक मतभेद स्वाभाविक हैं और सभी विषयों का समाधान आपसी संवाद से कर लिया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव एवं जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ. मुन्नम संजय, अशोक वर्मा, प्रो. उदय प्रकाश, नागेश्वर सिंह, मुरारी कुमार, दिनेश कुमार मंडल, रवि केसरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इससे पूर्व यादव शुक्रवार दोपहर देवघर परिसदन पहुंचे, जहां कांग्रेस कार्यकताओं ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठक की ।

रामगढ़ के बुध बाजार में देह व्यापार का भंडाफोड़, 12 लोग गिरफ्तार, भेजा गया जेल

संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ थाना क्षेत्र के सिरका-अरगड्डा स्थित बुध बाजार में देह व्यापार का मामला सामने आया है, जिसमें मां और बेटी पर मिलकर इस अवैध धंधे को संचालित करने का आरोप है। पुलिस की ओर से दर्ज प्राथमिकी में इस पूरे मामले का खुलासा किया गया है। रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे के बयान के आधार पर दर्ज मामले में बताया गया है कि नगर परिषद वार्ड संख्या 15 स्थित बुध बाजार में एक अधेड़ महिला अपनी बेटी के साथ मिलकर देह व्यापार का संचालन कर रही थी। दोनों अन्य जिलों और राज्यों से लड़कियों को बुलाकर ग्राहकों को उपलब्ध कराती थीं और एजेंट की भूमिका निभाती थीं। पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात आरोपित मां-बेटी ने अपने घर में करीब 10 लड़कियों को बुलाया था, जो पश्चिम बंगाल, सरायकेला और रांची की रहने वाली बताई जा रही हैं। इसी दौरान लगभग 15 से 20 ग्राहक भी वहां मौजूद थे। स्थानीय लोगों और वार्ड पार्षद नीरज पासवान को इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने मौके पर पहुंचकर घर को घेर लिया। इस दौरान सात ग्राहकों और देह व्यापार में कथित रूप से शामिल पांच महिलाओं को पकड़ लिया गया। बाद में आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान कुछ लोग और लड़कियां मौके से फरार होने में भी सफल रहे। गिरफ्तार आरोपितों में रांची के कोकर निवासी मृत्युंजय कुमार, नामकुम तेतर टोली निवासी मोनू कुमार दास, नवादा जिले के राजापुर निवासी प्रवीण कुमार पांडे, रामगढ़ के हुहुवा निवासी सफल मुंडा, बरकाकाना के घुटवा बस्ती निवासी सुनील कुमार और तेलियातु निवासी विनोद कुमार शामिल हैं। इसके अलावा पांच महिलाओं को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी 12 आरोपितों को शुक्रवार को अदालत के आदेश पर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

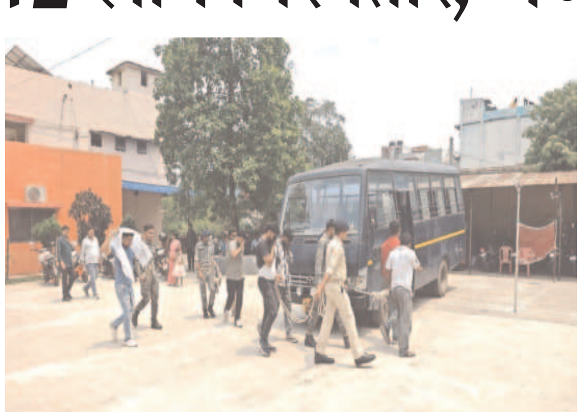

सार्वजनिक कुएं के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू

एजेंसी

देवघर : भीषण गर्मी और लगातार गहराते जलसंकट के बीच देवघर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-8 अंतर्गत चंदाजोरी गांव के लोगों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। वर्षों से उपेक्षित पड़े सार्वजनिक कुएं की सफाई एवं जीर्णोद्धार कार्य शुक्रवार से शुरू कर दिया गया। यह पहल वार्ड पार्षद मंजू देवी के प्रयास तथा नगर निगम के उप महापौर टिप चटर्जी के सहयोग से संभव हो सकी है। चंदाजोरी गांव लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहा था। यह क्षेत्र पूरी तरह ड्राई जोन में आता है, जहां गर्मी बढ़ने के साथ जलस्तर काफी नीचे चला जाता है। इसके कारण हैंडपंप और अन्य जलस्रोत भी जवाब देने लगते हैं और ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने कई बार सार्वजनिक कुएं की सफाई और मरम्मत की मांग उठाई थी। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए वार्ड पार्षद मंजू देवी ने पहल की और उप महापौर टिप चटर्जी से सहयोग का अनुरोध किया। इसके बाद उप महापौर ने सरकारी प्रक्रिया की प्रतीक्षा किए बिना निजी सहयोग से तत्काल कार्य शुरू करा दिया। कुएं की सफाई के साथ-साथ उसके चारों ओर सुरक्षा और उपयोगिता की दृष्टि से आवश्यक मरम्मत का कार्य भी कराया जा रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि कुएं के पुनर्जीवित होने से गांव के लोगों को पेयजल संकट से काफी हद तक राहत मिलेगी।समाजसेवी संजीव राय ने कहा कि भीषण गर्मी में गांव के लोग पानी की समस्या से बेहद परेशान थे। ऐसे समय में उप महापौर टिप चटर्जी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए निजी स्तर पर सहयोग कर सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने पूरे वार्डवासियों की ओर से उप महापौर और वार्ड पार्षद के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यूज IN ब्रीफ

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत, तीन बच्चे झुलसे

पलामू : पलामू जिले के नावा बाजार थाना क्षेत्र के सोहदाग खुर्द में शुक्रवार दोपहर तेज आंधी-पानी के दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार बारिश होने पर महिला एवं बच्चे एक पेड़ के नीचे छिपे हुए थे। अचानक पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से 35 वर्षीया सुनीता देवी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि उनकी पुत्री डिम्पल कुमारी (10), जय सिंह की पुत्री रिंकी कुमारी (12) व विनय सिंह की पुत्री पिंकी कुमारी (5) गंभीर रूप से घायल हो गई। सभी घायलों को इलाज के लिये भेजा गया। मुखिया कमला देवी, सामाजिक कार्यकर्ता दामोदर चौधरी व अनूप कुमार ने मृतक के परिजनों से मिलकर सांत्वना देते हुए उन्हें उचित मुआवजा दिलाने का भरोसा दिलाया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

झामुमो ने फूंका केंद्रीय मंत्री का पुतला

रामगढ़ : झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति की ओर से शुक्रवार को केंद्र सरकार के मानव संसाधन विभाग के मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला सुभाष चौक पर फूंका गया। झामुमो कार्यकर्ता शहर के थाना चौक से पैदल मार्च करते हुए सुभाष चौक पहुंचे। इस दौरान झामुमो कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के विरोध में नारेबाजी की। मौके पर झामुमो नेताओं ने बताया कि केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्री के कार्यकाल में यूजीसी नीट परीक्षा का पेपर लीक का खुलासा यह स्पष्ट दशार्ता है कि केंद्र सरकार इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रही है। देश के छात्र-छात्राओ के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। देश में बढ़ती महंगाई से जनता त्राहिमाम कर रही है। मौके पर पार्टी के केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो, चित्रगुप्त महतो, सोनाराम मांझी, बरतू करमाली, विजय राम, साजिद आलम, एतो बास्के, पिंकी बेसरा, रेशमा खातून, मंजू देवी, शांति देवी, बबलू यादव, खुदीराम महतो सहित कई लोग शामिल थे।

पश्चिमी सिंहभूम में 24 निशुल्क ग्रामीण पुस्तकालयों के प्रतिनिधियों ने की उपायुक्त से मुलाकात, शिक्षा व सामाजिक पहल पर चर्चा

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के विभिन्न प्रखंडों में संचालित 24 निशुल्क सामुदायिक ग्रामीण एवं मुहल्ला पुस्तकालयों के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को उपायुक्त से मुलाकात की। इस दौरान पुस्तकालयों के संचालन, बच्चों की शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान उपायुक्त ने पुस्तकालयों की इस पहल की सराहना करते हुए बेहतर संचालन के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने संचालन समितियों से पुस्तकालय परिसरों में पौधारोपण करने, बच्चों के लिए करियर काउंसलिंग आयोजित करने और समय-समय पर बुक फेयर लगाने का सुझाव दिया। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय भाषाओं में पाठ्य सामग्री और पाठ्यक्रम को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया, ताकि बच्चों को अपनी सांस्कृतिक और भाषाई पहचान के साथ शिक्षा मिल सके।

उपायुक्त ने यह भी कहा कि प्रत्येक माह की 20 तारीख को पुस्तकालयों में बच्चों का जन्मोत्सव मनाकर उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने जिले में आयोजित रक्तदान शिविरों में भी पुस्तकालय से जुड़े लोगों और युवाओं से सक्रिय भागीदारी की अपील की।

ससुराल आये युवक की संदिग्ध मौत, पत्नी और साढ़ू पर हत्या का आरोप

पलामू : पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुंदरी गांव में ससुराल आए 32 वर्षीय साबिर अंसारी की संदिग्ध मौत हो गई। कुन्दरी इलाके में युवक गिरा मिला था। गुरुवार सुबह में उसे इलाज के लिए पहले लेस्लीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया था, वहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में भेज दिया गया था। यहां से रेफर किये जाने पर उसे रांची रिम्स ले जाया जा रहा था, लेकिन पोलपोल में उसकी मौत हो गई थी। परिजनों ने पत्नी और उसके बहनोई पर हत्या का आरोप लगाया है। शुक्रवार सुबह शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में किया गया। पुलिस मामले को स्पष्ट करने के लिए कई स्तरों पर जांच में जुटी है। बताया जाता है कि साबिर अंसारी मंगलवार को बाहर से मजदूरी करके लौटा था। बुधवार को वह ससुराल गया था। एमएमसीएच में पोस्टमार्टम कराने आए साबिर के मौसेरे भाई सद्दाम हुसैन ने जानकारी दी की साबिर की पत्नी और उसके बहनोई पांकी के अंबाबार निवासी इदरीश अंसारी ने हत्या की है। उनके बीच अवैध संबंध चल रहा था। इधर जानकारी मिली है कि साबिर अंसारी ने वर्ष 2018 में लव मैरिज की थी। हालांकि उसकी पत्नी के साथ लंबे समय से विवाद चल आ रहा था। उसके दो बच्चे हैं। उनकी उम्र 4 वर्ष और 6 वर्ष है। इधर लेस्लीगंज के थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने शुक्रवार को बताया कि मामला संदिग्ध मौत का प्रतीत होता है। कई स्तरों पर जांच की जा रही है। मारपीट कर हत्या कर देने के आरोप पर उन्होंने कहा कि इसकी पुष्टि अब तक नहीं हो पाई है। लगाए गए आरोप पर जांच की जा रही है। युवक ने मौत से पहले पुलिस और परिजनों को किसी के द्वारा मारपीट करने के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी थी।

हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में प्रसूता की मौत पर हंगामा, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

हजारीबाग : हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल एक बार फिर विवादों में घिर गया है। अस्पताल प्रबंधन की कथित लापरवाही के कारण एक प्रसूता की मौत हो जाने के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने डॉक्टरों और नर्सों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, कटकमसांडी प्रखंड के बंजिया गांव निवासी शोभा कुमारी को 13 मई को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों की सलाह पर परिजनों ने रक्त की व्यवस्था भी की थी। शोभा ने अस्पताल में एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया था और गुरुवार रात तक जच्चा-बच्चा दोनों सामान्य बताए जा रहे थे। परिजनों का आरोप है कि गुरुवार देर रात करीब 12 से 1 बजे के बीच नर्सों ने शोभा को ब्लड चढ़ाना शुरू किया। ब्लड चढ़ाने के कुछ देर बाद ही उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। शोभा ने कथित तौर पर ब्लड रिएक्शन होने की शिकायत की और ब्लड चढ़ाने से मना भी किया, लेकिन नर्सों ने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। आरोप है कि जब महिला की हालत ज्यादा बिगड़ने लगी तो परिजन मदद के लिए अस्पताल कर्मियों को बुलाने दौड़े, लेकिन उस समय ड्यूटी पर कोई डॉक्टर या नर्स मौजूद नहीं था। समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण शोभा की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। अस्पताल परिसर में काफी देर तक हंगामा होता रहा। सूचना मिलने पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद अस्पताल पहुंचे और घटना पर गहरी नाराजगी जताई। विधायक ने अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल धीरे-धीरे ह्लमौत का अड्डाह्व बनता जा रहा है। उन्होंने मौके से ही उपायुक्त हेमंत सती से फोन पर बात कर मामले की जानकारी दी और दोषी स्वास्थ्यकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

आईपीएल 2026: पंत ने बताया क्यों नहीं उतरे बल्लेबाजी करने, बोले : ज्यादा सोच टीम को नुकसान पहुंचा सकती है

एजेंसी

लखनऊ : लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में उस समय बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे, जब टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तीन विकेट गंवा दिए थे। मैच के बाद पंत ने खुलासा किया कि यह फैसला उन खिलाड़ियों को मौका देने के लिए लिया गया, जिन्हें आईपीएल 2026 में ज्यादा बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी ने 12वें ओवर तक बिना विकेट

खोए 135 रन बना लिए थे। इसके बाद टीम ने नौ रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बावजूद ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। निकोलस पूरन के बाद अब्दुल समद और मुकुल चौधरी को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। आखिरकार एलएसजी ने सात विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद पंत ने कहा, ह्लमैं बल्लेबाजी के लिए तैयार था, लेकिन टीम मैनेजमेंट की ओर से विचार आया कि क्यों न उन खिलाड़ियों को मौका दिया जाए जिन्हें इस सीजन में ज्यादा अवसर नहीं मिले हैं। मैं लगातार सोच रहा था कि मुझे जाना चाहिए या नहीं, क्योंकि मैं मैदान पर उतरना चाहता था। लेकिन कभी-कभी आपको टीम के सोच और फैसले का सम्मान करना पड़ता है।

इस सीजन में पंत ने नंबर-4 से नीचे बल्लेबाजी नहीं की है। उन्होंने 11 पारियों में सात बार नंबर-3, तीन बार नंबर-4 और एक बार ओपनिंग की है। मैच के दौरान भी वह पैड पहनकर डगआउट में बैठे नजर आए थे। एलएसजी ने इस सीजन में कई बार अपनी ओपनिंग जोड़ी बदली। फिलहाल मिशेल मार्श और जोश इंग्लिस टीम के नियमित ओपनर हैं। एडेन मार्करम ने भी टीम के लिए ओपनिंग की है। टीम ने विदेशी खिलाड़ियों को शीर्ष क्रम में उतारने की रणनीति अपनाई थी, लेकिन यह लगातार सफल नहीं हो सकी। इंग्लिस लंबे समय तक टीम से बाहर रहे, जबकि मार्करम और निकोलस पूरन भी उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना सके।रणनीति पर बात करते हुए पंत ने कहा, ह्लहमारा पहला विचार यही था कि दो विदेशी बल्लेबाज ओपनिंग करें और निकी (निकोलस पूरन) नंबर-3 पर बल्लेबाजी करें। लेकिन कई बार सोच को मैदान पर सही तरीके से लागू करना मुश्किल हो जाता है। हमें अपनी टीम पर भरोसा है, लेकिन निराशा तब होती है जब आपको पता हो कि आपकी टीम में क्षमता है, फिर भी छोटी-छोटी रणनीतिक बातों के कारण आप अपनी योजनाओं को लागू नहीं कर पाते। उन्होंने आगे कहा, ह्लमेरे हिसाब से टीम को सबसे ज्यादा नुकसान ज्यादा सोच से हो सकता है। यह पहला मौका नहीं है जब पंत ने ड्रेसिंग रूम में कई लोगों की राय को लेकर टिप्पणी की हो। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सुपर ओवर में मिली हार के बाद भी उन्होंने कहा था कि ह्लबहुत ज्यादा दिमाग मैदान पर फैसले लेना आसान नहीं बनाते। एलएसजी के सपोर्ट स्टाफ में क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी, मुख्य कोच जस्टिन लैंगर, रणनीतिक सलाहकार केन विलियमसन, तेज गेंदबाजी कोच भरत अरुण, सहायक कोच लांस क्लूजनर और रयान कुक, तथा स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो शामिल हैं।

प्रगति और पर्यावरण साथ चलें

तभी सुरक्षित होगा भविष्य: रवीना टंडन

जयपुर में बुधवार को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक भव्य आयोजन किया गया। श्री कल्पतरु संस्था के 31वें वार्षिक समारोह के अवसर पर 'वृक्ष मित्र सम्मान 2026' का आयोजन किया गया, जिसमें प्रकृति को बचाने के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। इस समारोह में अभिनेत्री रवीना टंडन और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार रहे। समारोह में हिस्सा लेने के लिए रवीना पारंपरिक लुक में नजर आईं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित होकर न केवल विजेताओं का उत्साह बढ़ाया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की। कार्यक्रम के बाद अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसे समारोहों में शामिल होकर प्रसन्नता होती है, क्योंकि यहां से हम सभी को कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। मीडिया और आम जनता के माध्यम से यह संदेश आगे पहुंचाना बहुत जरूरी है कि वृक्ष और प्रकृति हमारे जीवन के लिए कितने अनिवार्य हैं। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि विकास की दौड़ में हमें पर्यावरण को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ और सुरक्षित धरती सौंपना हमारा नैतिक कर्तव्य है। जीवन की प्रगति और पर्यावरण का संरक्षण साथ-साथ चलना चाहिए। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से उन लोगों को समर्पित था जो जमीनी स्तर पर पेड़ लगाने और उनके संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। रवीना टंडन 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। 'टिप टिप बरसा पानी' और 'मस्त-मस्त' जैसे गाने आज भी लोकप्रिय हैं। रवीना ने वेब सीरीज 'अरण्यक' (2021) से डिजिटल में डेब्यू किया। केजीएफः चैप्टर 2 (2022) में रमिका सेन की भूमिका के लिए चर्चा में रहीं। 2023 में भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री मिला। इसी के साथ ही, वह जल्द ही वेंकी अटुलुरी निर्देशित तमिल फिल्म 'सूर्या 46' में अभिनेता सूर्या के साथ नजर आएंगी। सितारा एंटरटेनमेंट्स द्वारा निर्मित फिल्म में रवीना और सूर्या के अलावा, मामिता बैजू, और राधिका सरथकुमार प्रमुख भूमिकाओं में होगी। इसी साल फिल्म के रिलीज होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, फिल्म को लेकर अन्य जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

जैकी श्रॉफ पर गर्व महसूस करते हैं सुभाष घई, बोले-

वह आज भी करोड़ों लोगों के हीरो

हिंदी सिनेमा में कई ऐसे निर्देशक हैं, जिन्होंने नए कलाकारों को अलग पहचान दिलाने में मदद की है। उन्हीं चुनिंदा नामों में मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक सुभाष घई का नाम भी शामिल है। उन्होंने अभिनेता जैकी श्रॉफ को लेकर एक भावुक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने जैकी श्रॉफ के संघर्ष, सफलता और उनके व्यवहार की खुलकर तारीफ की।

उनका यह पोस्ट अब सोशल मीडिया पर चर्चा में है। सुभाष घई ने अपने लंबे फिल्मी करियर में कई नए चेहरों को मौका दिया और उन्हें स्टार बनाया। उनकी फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया, बल्कि कई कलाकारों के करियर की दिशा भी बदल दी। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर जैकी श्रॉफ की एक तस्वीर पोस्ट की।

इस तस्वीर में उन्होंने अपने हाथ में साल 1983 में रिलीज हुई फिल्म 'हीरो' का पोस्टर पकड़ा हुआ है। यह वही फिल्म थी, जिसने जैकी श्रॉफ को रातोंरात स्टार बना दिया था। इस तस्वीर को देख सुभाष घई अपने पुराने दिनों और उस सफर को याद कर भावुक हो गए। इस तस्वीर के साथ सुभाष घई ने कैप्शन में लिखा, ''अपने पूरे फिल्मी सफर में मैंने हमेशा नए कलाकारों को बेहतर बनाने की कोशिश की। मैंने ऐसे लोगों को भी मौका दिया, जो अभिनय की दुनिया से पूरी तरह जुड़े नहीं थे। मुझे खुशी होती है, जब देखता हूं कि मेरे साथ काम करने वाले कलाकार आज भी दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे हैं और अपने करियर के अच्छे दौर में हैं। सुभाष घई ने अपने पोस्ट में एक खास बात का भी जिक्र किया। सुभाष घई ने कहा, ''कुछ कलाकार सफलता मिलने के बाद अपनी ही दुनिया में खो जाते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो अपनी शुरुआत और उन्हें मौका देने वाले लोगों को कभी नहीं भूलते। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कुछ लोग आज भी अपने निर्माता और निर्देशक के प्रति वही प्यार और सम्मान रखते हैं, जो उन्होंने शुरुआत में दिखाया था। इसके बाद सुभाष घई जैकी श्रॉफ की तारीफ करते हुए लिखते है, ' 'हीरो' फिल्म से जैकी श्रॉफ ने 'मुक्ता आर्ट्स' के साथ एक हीरो के रूप में अपनी शुरुआत की थी और आज भी वह करोड़ों लोगों के लिए हीरो बने हुए हैं।

मुझे जैकी पर एक अभिनेता के रूप में ही नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी बेहद गर्व है। फिल्म 'हीरो' में जैकी श्रॉफ के साथ अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि भी नजर आई थीं। यह फिल्म उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल हुई थी। इस फिल्म का रीमेक तेलुगु, कन्नड़ और फिर साल 2015 में हिंदी में भी बनाया गया।

सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026: प्रज्ञानानंद ने विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर सिंदारोव को हराया

एजेंसी

बुखारेस्ट : भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर के सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026 के दूसरे दौर में शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को काले मोहरों से मात दी।
डिफेंडिंग चैंपियन प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ मुश्किल स्थिति से ड्रॉ बचाया था। दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के बाद वह 2 मुकाबलों में 1.5 अंक के साथ शुरूआती बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। गौरतलब है कि पहले दौर की सभी पांच बाजियां ड्रॉ रही थीं।यह जीत प्रज्ञानानंद के लिए बदले जैसी भी रही, क्योंकि 2026 कैंडिडेट्स टूनामेंट में सिंदारोव ने उन्हें दोनों मुकाबलों में हराया था। उन मुकाबलों में उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव ने घोड़े की कुबार्नी देकर आक्रामक खेल दिखाया था। हालांकि इस बार भी सिंदारोव ने घोड़े की बलि दी, लेकिन प्रज्ञानानंद ने शांत और सटीक बचाव करते हुए अतिरिक्त मोहरे का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026, 10 खिलाड़ियों के बीच खेला जा रहा क्लासिकल राउंड-रॉबिन टूनामेंट है और यह 2026 ग्रैंड चेस टूर का दूसरा टूनामेंट है।

हर वक्त फैसले लेना थका देता है

मीरा राजपूत ने महिलाओं के मानसिक सुकून पर कही दिल की बात

अक्षय कुमार ने पूरी की अपनी अगली फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड के अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों बेक-टू-बैक फिल्मों में व्यस्त हैं। उन्होंने मंगलवार को अपनी आगामी अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग शेड्यूल को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। फिल्म में अक्षय के साथ अभिनेत्री विद्या बालन और राशि खन्ना मुख्य भूमिका में हैं। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के मुख्य कलाकारों के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह अपनी को-स्टार्स विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। अक्षय ने कैप्शन के जरिए अपनी खुशी जाहिर की और बताया कि केरल की वादियों में काम करना उनके लिए कितना सुखद रहा। अक्षय ने लिखा, 'केरल का शेड्यूल पूरा हो गया। अच्छे लोगों के साथ एक खूबसूरत जगह पर काम करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने पोस्ट में निर्देशक अनीस बज्मी की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'हमारे डायरेक्टर अनीस बज्मी को बहुत सारा प्यार, जिन्होंने कैमरे के पीछे कमाल का काम किया। मेरी शानदार को-स्टार्स विद्या, राशि, छोटा राजपाल और पूरी टीम को भी दिल से धन्यवाद। यह प्रोजेक्ट मेरे लिए बहुत खास रहा है। अनीज बज्मी की यह फिल्म एक्शन-कॉमेडी से भरपूर है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। ऐसे में मानसिक थकान और दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि महिलाओं को कभी-कभी हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी और फैसलों से दूर होकर खुद के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से हल्का महसूस कर सकें। मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने मायके में बिताए समय के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, ''अपने माता-पिता के घर पर रहना एक अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता।'' वीडियो में मीरा आगे कहती हैं, ''काफी समय बाद मैं इस तरह खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त के सुकून देते हैं। इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह बयां करना मुश्किल है। मीरा ने कहा, ''महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। दिनभर उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौन सा काम पहले करना है और कौन सा बाद में। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया उन्हें मानसिक रूप से थका देती है। जब कुछ समय के लिए कोई उनसे कुछ नहीं पूछता, तो दिमाग को बहुत राहत मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''महिलाएं सिर्फ फैसले ही नहीं लेतीं, बल्कि हर दिन कई विकल्पों में से सही चुनाव भी करती हैं। यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है और इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ता है। जब किसी महिला को कुछ समय के लिए इन सभी फैसलों और जिम्मेदारियों से छुटकारा मिलता है, तो उसे एक अलग ही तरह की शांति और सुकून महसूस होता है। यही वह समय होता है, जब वह खुद को फिर से ऊर्जा से भर पाती है। मीरा ने महिलाओं को सलाह देते हुए कहा, ''समय-समय पर खुद को ब्रेक देना बहुत जरूरी है।

अगर संभव हो, तो कुछ समय के लिए फोन बंद कर देना चाहिए और सिर्फ उस पल को जीने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसा करने से मन हल्का होता है और हम अपने आसपास की चीजों को ज्यादा गहराई से महसूस कर पाते हैं।''

टॉक्सिक रिश्तों का महिमामंडन नहीं, बल्कि उनका दर्द दिखाएगी 'अगली स्टोरी'

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'अगली स्टोरी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि 'टॉक्सिक' और 'जुनून' के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, 'फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं। अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। 'अगली स्टोरी' दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है। रिया जिया प्रोडक्शंस के बैनर तले सीएच सुभाषिनी और कोंडा लक्ष्मण द्वारा निर्मित 'अगली स्टोरी' एक गहरी प्रेम कहानी है, जिसका लेखन और निर्देशन प्रणव स्वरूप ने किया है। इस फिल्म में रवि तेजा महादास्यम, शिवाजी राजा, और प्रज्ञा नयन जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। 'अगली स्टोरी' 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की नाम्ची में प्रमुख विकास परियोजनाओं की समीक्षा

एजेंसी

नाम्ची (सिक्किम) : केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सिक्किम के अपने आधिकारिक दौरे के दूसरे दिन नाम्ची जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए शिक्षा, पर्यटन, चाय उत्पादन और खेल विकास से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय हितधारकों, छात्रों, चाय बागान श्रमिकों और युवा खिलाड़ियों से बातचीत की तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र में आधारभूत ढांचे, आजीविका और जमीनी स्तर पर अवसरों को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने नाम्ची जिले के तार्कु में निमार्णाधीन कंचनजंगा सिक्किम स्टेट यूनिवर्सिटी का दौरा किया, जो सिक्किम में विकसित की जा रही पहली राज्य विश्वविद्यालय है। 28 एकड़ में फैले इस

विश्वविद्यालय को उत्तर पूर्व परिषद (एनईसी) द्वारा डोनर मंत्रालय के माध्यम से 9.61 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है। निर्माण पूरा होने के बाद यहां 1,500 से अधिक छात्रों के अध्ययन की सुविधा होगी। दौरे के दौरान मंत्री ने प्रशासनिक भवन और कैंपस अवसंरचना की प्रगति की समीक्षा की। इसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तिमी चाय बागान और तिमी टी प्रोसेसिंग यूनिट का दौरा किया, जहां उन्होंने चाय बागान के श्रमिकों और अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने चाय उत्पादन, प्रसंस्करण और पैकेजिंग की विभिन्न प्रक्रियाओं का अवलोकन किया और अंतरराष्ट्रीय बाजार तथा निर्यात संभावनाओं पर चर्चा की। अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि तिमी चाय बागान एलपीजी आधारित चाय निर्माण प्रक्रिया की ओर बढ़ रहा है, जिससे कोयले के उपयोग और कार्बन अवशेष में कमी आएगी। अधिकारियों ने तिमी चाय को जीआई टैग दिलाने की भी सिफारिश की। इस दौरान मंत्री ने महिला चाय श्रमिकों से धाराप्रवाह नेपाली भाषा में संवाद किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चेम्चे स्थित इंडियन हिमालयन सेंटर फॉर एडवेंचर एंड इको टूरिज्म का भी दौरा किया, जहां सिक्किम सरकार और डोनर मंत्रालय के सहयोग से विकसित किए जा रहे प्रस्तावित नाम्ची-तिमी-रावांगला पर्यटन सर्किट की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान मंत्री ने केंद्र में विकसित की जा रही रॉक क्लाइंबिंग, आइस क्लाइंबिंग, साइक्लिंग ट्रैक, ट्रेकिंग, स्कीइंग, पर्वतारोहण और निर्देशित इको-टूरिज्म गतिविधियों का अवलोकन किया।

भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

मुंबई : केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सातारा जिले में शुक्रवार को कहा कि भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा। सभी के लिए पक्के घर प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सातारा जिले के सैनिक ग्राउंड में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुसार महाराष्ट्र को एक साल में 30 लाख घरों का लक्ष्य दिया गया था। देश के किसी अन्य राज्य को ऐसा लक्ष्य नहीं दिया गया है। केवल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में लक्ष्य हासिल किया। उन्होंने इस सभी क्रांतिकारी काम के लिए उन्हें बधाई दी, चाहे वह हर घर को सोलर एनर्जी पर लाना और जीरो बिजली बिल लाना हो, या रिकॉर्ड कम समय में पांच लाख घर पूरे करना हो, भूमिहीनों को 1 लाख रुपये की सहायता देना हो, और विश्वास व्यक्त किया कि बाकी घर भी जल्द से जल्द पूरे हो जाएंगे। महिला सशक्तिकरण की बात करते हुए, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में 3 करोड़ दीदी लखपति करोड़पति बन गई हैं, और अब 6 करोड़ दीदी लखपति का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 1 करोड़ लाख बनाने का फैसला किया गया है, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए विकसित भारत जी रामजी योजना 1 जुलाई से शुरू हो रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव आएगा। गांव का डेवलपमेंट प्लान गांव में ही बनेगा, उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि ग्रामीण इलाकों के डेवलपमेंट की रफ्तार बढ़ेगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह ऐसे काम कर रहे हैं, जैसे गरीबों की सेवा कर रहे हों और भगवान की पूजा कर रहे हों। हम किसानों और खेती को बेहतर बनाने के लिए कमिटेड हैं। प्याज उगाने वालों के मुद्दे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से बातचीत हुई और वेस्ट एशिया और बांग्लादेश में संकट के कारण प्याज के दाम गिर गए हैं। प्याज उगाने वाले मुश्किल में हैं, उन्हें राहत देने के लिए नाफेड के जरिए 12.35 पैसे प्रति ध्वद्द प्याज खरीदना शुरू कर दिया गया है। कपास, सोयाबीन, अरहर समेत कई फसलों की एमएसपी बढ़ाई गई है।

मध्य प्रदेश में गर्मी का कहर, भोपाल में पिघली सड़कें, 12 शहरों का पारा 43 डिग्री के पार, आज 37 जिलों में अलर्ट

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शुक्रवार को प्रदेश के कई इलाकों में तेज धूप और गर्म हवाओं ने हालात बिगाड़ दिए। 12 शहरों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि खंडवा सबसे गर्म रहा, जहां पारा 45.1 डिग्री तक पहुंच गया। राजधानी भोपाल में गर्मी का असर इतना ज्यादा रहा कि सड़कों का डामर तक पिघलने लगा। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए प्रदेश के 37 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। वहीं इंदौर, उज्जैन और मंडला में वॉर्म नाइट की स्थिति रहेगी, यानी रात में भी तापमान सामान्य से अधिक बना रहेगा। इंदौर, उज्जैन, रतलाम, धार और देवास में तीव्र लू को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, गुना, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, मंदसौर,

झाबुआ, सागर, दमोह और मंडला समेत कई जिलों में तेज लू चलने की संभावना जताई गई है। वहीं जबलपुर, रीवा, सतना, कटनी, उमरिया, बालाघाट और छिंदवाड़ा जैसे जिलों में गर्मी तो रहेगी, लेकिन लू का अलर्ट नहीं है। शुक्रवार शाम को प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम ने अचानक करवट भी ली। कटनी में तेज आंधी के साथ ओलावृष्टि हुई, जबकि उमरिया में बारिश और तेज हवाओं से खरीदी केंद्रों में रखा गेहूं भीग गया। सागर, जबलपुर, विदिशा, रायसेन और पन्ना समेत कई जिलों में भी मौसम बदला नजर आया। वहीं, शाजापुर में 44.6 डिग्री, खरगोन में 44.2 डिग्री, रतलाम-नौगांव में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शिमला जिले की 42 ग्राम पंचायतों का निर्विरोध चयन

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया के बीच शिमला जिले की 42 ग्राम पंचायतें निर्विरोध चुनी गई हैं। जिला शिमला में कुल 441 ग्राम पंचायतें हैं और इनमें से 9.52 प्रतिशत पंचायतों में बिना मुकाबले ही उम्मीदवार विजयी घोषित हुए हैं। पंचायतों में यह जानकारी जिला पंचायत अधिकारी एवं सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) शिमला की ओर से पंचायती राज विभाग को भेजी गई रिपोर्ट में सामने आई है। शुक्रवार शाम को नाम वापसी के बाद उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए। रिपोर्ट के अनुसार चौपाल विकास खंड में सबसे ज्यादा 10 ग्राम पंचायतें निर्विरोध चुनी गई हैं। इनमें खद्दर, बिजमल, कुटाह, क्यारी (शिलान), बाघर (चौकी), सराहन, पंद्राड़ा, जवाग चमरोग, लच्छोग और बोहर पंचायतें शामिल हैं। इसके बाद छौहारा विकास खंड में 7 पंचायतें निर्विरोध चुनी गई हैं।

इनमें अम्बोई, खशाली, धमवारी, दियुड़ी-मायला, पेखा, रणोल और थाना पंचायत शामिल हैं। ठियोग विकास खंड में भी 7 ग्राम पंचायतें निर्विरोध चुनी गई हैं। इनमें बलग, रौणी मतियाना, भोगड़ा-पल्ली, घूंड, क्यारा, ग्वाही स्थित देवी मोड़ और मुंडू पंचायतें शामिल हैं। रोहड़ू विकास खंड में 5 पंचायतों में मुकाबला नहीं हुआ। यहां करचाड़ी, पुजारली-3, जगोठी, मुंचारा और अंतापू-बटाड़ी पंचायतें निर्विरोध चुनी गई हैं।

कोटखाई विकास खंड में गुम्मा, थरोला और घुंडा बढ़ेच पंचायतें निर्विरोध चुनी गई हैं, जबकि कुपवी विकास खंड में चुरायन डाक-श्राड़, मलाट और बाग धमराह पंचायतों में उम्मीदवार बिना मुकाबले जीत गए हैं। बसंतपुर विकास खंड की मंडयालू और हिमरी पंचायतें भी निर्विरोध चुनी गई हैं। इसके अलावा रामपुर विकास खंड की बढ़ाहल और कूट पंचायत, नारकंडा विकास खंड की शालोंठा पंचायत, ननखड़ी विकास खंड की शोली पंचायत और जुब्बल विकास खंड की भोलाड़ पंचायत में भी चुनाव नहीं हुआ और उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। जिला प्रशासन के अनुसार यह सूची विकास खंडों से टेलीफोन के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर तैयार की गई है। पंचायत चुनाव में नामांकन प्रक्रिया पूरी होने और जांच के बाद अब कई क्षेत्रों में मुकाबले की तस्वीर साफ होने लगी है।

31 हजार से ज्यादा पदों के लिए होगा मुकाबला

हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव तीन चरणों में 26, 28 और 30 मई को होंगे। इस बार प्रदेश में कुल 31,182 पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। इनमें 3,754 प्रधान, 3,754 उपप्रधान, 21,654 वार्ड सदस्य, 1,769 बीडीसी सदस्य और 251 जिला परिषद सदस्य शामिल हैं। प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्य पदों की मतगणना मतदान खत्म होने के तुरंत बाद की जाएगी। वहीं जिला परिषद और बीडीसी सदस्य पदों की मतगणना 31 मई को होगी। पंचायत चुनाव को लेकर ग्रामीण इलाकों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और नामांकन जांच के बाद अब मुकाबले की तस्वीर भी साफ होने लगी है।

विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है ग्वालियर : ऊर्जा मंत्री

मंत्री तोमर ने उप नगर ग्वालियर में 3.64 करोड़ के किया विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

एजेंसी

ग्वालियर : मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि हमारा ग्वालियर बदल रहा है, अब ग्वालियर को स्वच्छता में नम्बर वन बनाना है। ग्वालियर की तकदीर और तस्वीर बदली है और वह समय अब दूर नहीं है, जब ग्वालियर का नाम विकसित शहरों की श्रेणी में लिया जाएगा। ऊर्जा मंत्री तोमर शुक्रवार को उप नगर ग्वालियर के वार्ड 4 तथा 12 में 3.64 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने ग्वालियर को स्वच्छ, सुन्दर, प्रदूषण मुक्त और नशा मुक्त बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम, विद्युत वितरण कंपनी सहित अन्य

विभागों के अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। ऊर्जा मंत्री तोमर ने ग्वालियर उप नगर के वार्ड 4 तथा 12 में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन करते हुए कहा कि यह क्षेत्रवासियों को बेहतर वातावरण एवं आवश्यक जनसुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आने वाले समय में यह विकास कार्य नागरिकों के लिए आकर्षण एवं सुविधा का केंद्र बनेंगे तथा नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

विकास कार्यों के माध्यम से हर वार्ड और हर गली को बेहतर बनाने का संकल्प निरंतर जारी है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शुक्रवार को भूमिपूजन कार्यक्रमों की व्यस्तता के दौरान आटो मोबाइल मैकेनिक रोहित जाटव की दुकान पर पहुंचकर उनकी पूज्य माताजी द्वारा स्नेहपूर्वक भेजे गए टिफिन से साथ बैठकर भोजन किया।

इन विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

- 23 लाख 66 हजार 474 रुपए की लागत से वार्ड 4 स्थित 24 बीघा कॉलोनी आंगनबाड़ी के पास पार्क निर्माण कार्य।
- गुरुनानक नगर सरदार जी की दुकान के पास 15 लाख की लागत से मुख्य मार्ग पर नाली निर्माण कार्य।
- 11 लाख 48 हजार 517 रुपए की लागत से कुशवाह मोहल्ला बहोड़ापुर में सीमेंट कांक्रीट रोड एवं सीवर लाईन कार्य।
- 48 लाख की लागत से श्रीकृष्ण अपार्टमेंट से ओमनगर होते हुए आंगनवाडी तक निर्मित होने वाले नाला निर्माण कार्य।
- 19 लाख की लागत से मास्टर माइंड स्कूल के पास की गलियों में सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य।
- 36 लाख 6640 रुपए की लागत से चंदन नगर शमशान रोड स्थित सूरज सुंदरम गार्डन तक सडक निर्माण कार्य।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में मध्य प्रदेश बना देश का अग्रणी राज्य

- 10 लाख से अधिक आवास हुए स्वीकृत, 98.04 प्रतिशत आवासों की ग्राउंडिंग पूर्ण

एजेंसी

भोपाल : हर जरूरतमंद परिवार को पक्का घर उपलब्ध कराने के संकल्प को साकार करते हुए मध्य प्रदेश ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन में देशभर में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में 10 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिससे आवास निर्माण एवं हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने में देश के अग्रणी राज्यों में मध्य प्रदेश ने अपनी मजबूत पहचान बनाई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत मध्य प्रदेश ने आवासों की ग्राउंडिंग में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में 98.04 प्रतिशत आवासों की ग्राउंडिंग पूर्ण हो चुकी है। यह प्रभावी क्रियान्वयन, सतत मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध कार्यप्रणाली का परिणाम है। वहीं 9 लाख से अधिक आवासों का निर्माण पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों को सौंपा जा चुका है। योजना के माध्यम से हजारों परिवारों का अपने पक्के घर का सपना साकार हुआ है, जिससे उनके जीवन स्तर, सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मान में सकारात्मक बदलाव आया है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न आय वर्ग एवं मध्यम आय वर्ग के शहरी परिवारों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। योजना अंतर्गत हितग्राहियों को आवास निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे मूलभूत सुविधाओं से युक्त पक्के घर में जीवन यापन कर सकें।

आदि उत्सव जनजातीय गौरव, संस्कृति और उद्यमिता का संगम: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

– मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी रामनगर में दो दिवसीय आदि उत्सव का भव्य शुभारंभ, वर्चुअली जुड़े मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मंडला जिले की ऐतिहासिक नगरी रामनगर में शुक्रवार को दो दिवसीय आदि उत्सव- का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पिछले एक दशक से यह आयोजन जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह हमारी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और वैभवशाली विरासत को सहेजने के साथ-साथ आधुनिक उद्यमिता के माध्यम से उसे नए आयाम देने का सशक्त मंच बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्सव ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो होली और दीपावली एक साथ आ गई हों। उन्होंने मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, उमरिया और छिंदवाड़ा अंचल से पहुंचे गोंड एवं बैगा समाज के भाई-बहनों का वर्चुअल स्वागत करते हुए आयोजन की भव्यता की सराहना की। उन्होंने कहा कि आदि उत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्वविरासत से विकासह्व के संकल्प को साकार करने वाला आयोजन है। उन्होंने कहा कि मंडला का गोंड आर्ट, कर्मा, सैला और रीना नृत्य तथा बैगा समाज का परधोनी नृत्य जनजातीय संस्कृति की सुंदर

अभिव्यक्ति हैं। इन परंपराओं को संरक्षित करने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने कोदो-कुटकी सहित अन्य मोटे अनाजों के संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए विशेष अभियान चलाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आदि उत्सव ने वर्ष 2016 से निरंतर आयोजन के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और यह आयोजन सांस्कृतिक संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से भी सशक्त बना रहा है। उन्होंने यहाँ उपस्थित कलाकारों, कारीगरों और उद्यमियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा जनजातीय कला और संस्कृति की समृद्ध परंपरा को नई पहचान दे रही है। यह उत्सव जनजातीय बोली-भाषाओं को सहेजकर नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। मंडला की गोंडी और बैगा मातृबोलियों के संरक्षण में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मांदल, गुदुम बाजा जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों और खगला जैसे पारंपरिक आभूषणों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य भी इस आयोजन के माध्यम से किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्सव जनजातीय महापुरुषों और वीर नायकों बिरसामुंडा, रानी दुर्गावती, टंट्याभील, राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथशाह, दलपतशाह की शौर्य गाथाओं का स्मरण कराने वाला प्रेरणादायी मंच भी है। अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय महापुरुषों के वंशजों का सम्मान करने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है तथा यह आयोजन जनजातीय अस्मिता, संस्कृति और स्वाभिमान को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

उन्होंने इस आयोजन के लिए लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते तथा सभी सहयोगियों को बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा राज स्तम्भ में ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्वलन भी किया गया। साथ ही मोतीमहल परिसर में स्थित शिलालेख पर जनजातीय संस्कृति की परंपरा अनुसार पूजन किया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

फर्नीचर मार्केट में लगी आग, आठ दुकानें जलीं

नोएडा : थाना बिसरख क्षेत्र के शाहबेरी फर्नीचर मार्केट में शुक्रवार देर रात को भयंकर आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की 30 गाड़ियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में आठ दुकानें जलकर खाक हो गईं, जबकि 15 से 20 दुकानों को जलने से बचा लिया गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं है।
मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शुक्रवार की देर रात को दमकल विभाग को सूचना मिली कि शाहबेरी गांव के फर्नीचर मार्केट में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई है। उन्होंने बताया कि आग एक पॉलिथीन वाली दुकान में लगी थी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। उन्होंने बताया कि आसपास की आठ दुकानों को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। फर्नीचर मार्केट में थिनर, पेंट और वार्निश प्रयोग होता है, इसलिए आग ने तेजी से फैलना शुरू किया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की 30 गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। फायर पुलिस और नागरिक पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वहां स्थित 15 –20 दुकानों को जलने से बचा लिया है। उन्होंने बताया कि जहां पर आग लगी थी वह काफी कन्जेस्टेड एरिया है। इस क्षेत्र में यातायात का काफी दबाव रहता है। पुलिस ने ट्रैफिक को डाइवर्ट कर मौके पर फायर की गाड़ियों को भेजा जिसकी वजह से आग बुझाने में सफलता मिली।

सड़क दुर्घटना में डकैती का आरोपित घायल

नगांव (असम) : नगांव जिले के मोरीकलंग इलाके में हाल में हुई डकैती के एक मामले में शामिल मुख्य आरोपित बीती रात सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात पुलिस मोरीकलंग इलाके में हुई डकैती मामले में शामिल मुख्य आरोपित रजीबुल इस्लाम को एक वाहन से ले जा रही थी । डकैती के दौरान लूटी गई सोने की चेन तलाश करने जा रही पुलिस की वाहन अन्य एक वाहन से जा टकराई । जिसमें रजीबूल इस्लाम गंभीर रूप से घायल हो गया । जिसे इलाज के लिए गंभीर अवस्था में नगांव चिकित्सा महाविद्यालय में भर्ती कराया गया है। वहीं, इस हादसे में पुलिस अधिकारी विमान गोगोई सहित दो अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। रजीबुल का दोनों पैर और एक हाथ सड़क दुर्घटना में बुरी तरह से कुचल गया है। वहीं, इस हादसे में एक पुलिस अधिकारी और दो पुलिसकर्मी समेत कुल तीन पुलिस वाले घायल हुए हैं।पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।उल्लेखनीय है कि बीते 25 अप्रैल को रजीबुल इस्लाम लखीमपुर से आकर नगांव में डकैती की घटना को अंजाम दिया था । डकैती के दौरान रजीबुल द्वारा राड से किए गए हमले में रूपरेखा भुइयां सैकिया नामक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। दो दिन पूर्व इलाज के दौरान रूपरेखा भुइयां की अस्पताल में मौत हो गई। रजीबुल को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अरुणाचल प्रदेश के लेखापानी इलाके से गिरफ्तार किया था।

नेपाल में 100 रुपये से अधिक के सामान पर कस्टम ड्यूटी पर रोक

काठमांडू, 16 मई (हि.स.)। नेपाल–भारत सीमा नाकों पर दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर लगाए जा रहे कस्टम शुल्क पर नेपाल उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश हरि प्रसाद फुयाल और टेक प्रसाद ढुंगाना की संयुक्त पीठ ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार शुल्क लगाने संबंधी वित्त मंत्रालय के निर्णय पर रोक लगाते हुए अंतरिम आदेश जारी किया। भारत से 100 रुपये से अधिक मूल्य के दैनिक उपभोग के सामान लाने पर भंसार शुल्क लगाने की व्यवस्था को व्यापार संधि के प्रावधानों के खिलाफ बताते हुए अधिवक्ता अमितेश पण्डित सहित अन्य लोगों ने रिट याचिका दायर की थी। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार कर अनिवार्य करने का निर्णय लिया था। इसके बाद तराई–मधेश क्षेत्र के सीमा नाकों पर सख्ती शुरू कर दी गई थी, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया था। 27 अप्रैल को दायर रिट याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सरकार को अंतरिम आदेश पर बहस के लिए बुलाया था। सरकार की ओर से दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को अदालत ने प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के कार्यालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय और कस्टम विभाग के नाम अंतरिम आदेश जारी करते हुए तत्काल इस व्यवस्था पर रोक लगाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में सरकार बनने के तुरंत बाद सीमा नाकों पर सख्ती शुरू की गई थी। सीमा पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा सामान जब्त किए जाने के फोटो और वीडियो सार्वजनिक होने के बाद व्यापक विरोध हुआ था, लेकिन सरकार अपने निर्णय से पीछे नहीं हटी थी।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

धुबरी (असम) : धुबरी जिले के तामारहाट इलाके में हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि अन्य एक अन्य व्यक्ति को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि जिले के तामारहाट के उत्तर काशखाना इलाके में बाइक और ई रिक्शा के बीच में आमने–सामने की टक्कर में गंभीर रूप से घायल भाग्यश्री राय नामक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि अन्य एक घायल मौत से अस्पताल में जूझ रहा है । घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत महिला का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया । पुलिस इस संबंध में दुर्घटना का एक प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका आज मंडला आएंगे, आदि उत्सव-2026 में होंगे शामिल

मंडला : छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका आज शनिवार को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर आ रहे हैं। यहां मंडला जिले की ऐतिहासिक नगरी राम नगर में आयोजित ह्लआदि उत्सव–2026ह्व कार्यक्रम में शामिल होंगे। जिला प्रशासन द्वारा जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल रमेन डेका एथनिक जोहार टूरिस्ट रिसोर्ट, सरोदा दादर चिल्फी से प्रस्थान कर लगभग 10:30 बजे मंडला सर्किट हाउस पहुंचेंगे। इसके बाद वे 11 बजे रामनगर स्थित चौगान के लिए रवाना होंगे, जहां 11:30 बजे ह्लआदि उत्सव–2026ह्व कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। राज्यपाल डेका कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोपहर एक बजे मंडला सर्किट हाउस लौटेंगे तथा भोजन एवं विश्राम के उपरांत शाम 4 बजे पुनः चिल्फी के लिए रवाना होंगे।

तमिलनाडु के चार जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

चेन्नई, 16 मई (हि.स.)। तमिलनाडु के चार जिलों में आज भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने विल्लुपुरम, कुड्डालोर, मयिलादुथुराई और थेनी जिलों में गरज–चमक के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।
मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण तमिलनाडु और डेल्टा जिलों में कुछ जगहों पर गरज–चमक के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। 17 मई को डिंडीगुल, थेनी, कोयंबटूर और नीलगिरी जिलों में तथा 18 मई को तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में गरज–चमक के साथ मध्यम बारिश का अनुमान है।
19 मई को राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है और यह स्थिति 21 मई तक जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।
पिछले कुछ दिनों से तमिलनाडु में अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है, जिसके कारण गर्मी का असर धीरे–धीरे कम हो रहा है। पिछले 24 घंटों में राज्य में सबसे अधिक तापमान तिरुत्तनी में 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ प्रदीप जॉन ने कहा है कि 18 मई तक यही स्थिति बनी रह सकती है। उन्होंने बताया कि ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवातीय परिसंचरण के कारण पूर्वी दिशा से हवाएं चल रही हैं, जिससे मौसम हल्का ठंडा बना हुआ है। हालांकि सोमवार से मौसम में बदलाव आने की संभावना है।

प्रदेश एवं देश तेजी से ग्रीन एनर्जी की दिशा में बढ़ रहे हैं आगे : मंत्री शुक्ला

भोपाल : मध्य प्रदेश के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि प्रदेश एवं देश तेजी से ग्रीन एनर्जी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आने वाला समय सौर ऊर्जा का है। सोलर ऊर्जा न केवल बिजली व्यय को कम करने में सहायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।
मंत्री शुक्ला शुक्रवार को भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय ‘सोलर एक्सपो 2026ह्व के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सोलर एक्सपो में नागरिकों से स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा के रूप में सौर ऊर्जा को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने एक्सपो में ऊर्जा विकास निगम सहित विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर पीएम सूर्य घर योजना सहित अन्य सौर ऊर्जा योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा वेंडर्स से संवाद किया।

जलस्तर प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का चयन किया जाए : उपायुक्त

पशुपालन गव्य विकास और भूमि संरक्षण विभाग की समीक्षा योजनाओं के समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के दिए निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज:समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में पशुपालन गव्य विकास एवं भूमि संरक्षण विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, लाभुक चयन प्रक्रिया वित्तीय व भौतिक उपलब्धियों सहित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने भूमि संरक्षण विभाग अंतर्गत तालाब निर्माण परकोलेशन टैंक जलनिधि योजना, डीप बोरिंग पम्पसेट वितरण मिनी ट्रैक्टर योजना एवं चेकडैम निर्माण योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि पहाड़ी क्षेत्र में जलस्तर प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का चयन किया जाए ताकि जल संरक्षण एवं सिंचाई सुविधा को बढ़ावा मिल सके।उपायुक्त ने कहा कि जल संरक्षण से संबंधित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादन बढ़ाने एवं भू-जल स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चयनित योजनाओं का नियमित निरीक्षण करते हुए प्रगति की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें तथा लाभुकों को योजनाओं का वास्तविक लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। जबकि तालाब निर्माण एवं गहरीकरण कार्यों की तकनीकी प्रक्रिया, प्राक्कलन, मापी एवं भुगतान प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शिता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए। साथ ही लाभुक समितियों के माध्यम से संचालित योजनाओं में गुणवत्ता बनाए रखने व कार्यों को समय पर पूर्ण कराने पर बल दिया। परकोलेशन टैंक एवं जलनिधि योजना की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि छोटे जल संचयन संरचनाओं का निर्माण जल स्तर सुधारने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने हिली क्षेत्रों में अधिकाधिक योजनाओं के चयन एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन का निर्देश दिया।बैठक में गव्य विकास विभाग अंतर्गत मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, गाय वितरण, डीबीटी प्रक्रिया, लाभुक चयन एवं बीमा संबंधी प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि लाभुकों के खातों में होल्ड की गई राशि तथा पशु वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र एवं टीकाकरण सुनिश्चित करने के बाद ही वितरण की प्रक्रिया पूर्ण की जाए। साथ ही शत-प्रतिशत पशु बीमा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने अपूर्ण योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तकनीकी कारणों के कारण लंबित योजनाओं की लायबिलिटी रिपोर्ट समय पर भेजते हुए योजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी राशि का सरेंडर होना विभागीय शिथिलता को दर्शाता है।इसलिए समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करते हुए वित्तीय प्रगति सुनिश्चित की जाए।बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, संबंधित कनीय अभियंता, लिपिक व अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने किया मुलाकात

साहिबगंज/बरहरवा : झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सह पूर्व मंत्री आलमगीर आलम एंव उनकी पत्नी पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम, झारखंड कांग्रेस प्रदेश महासचिव तनवीर आलम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनकी पत्नी सह गाणेय विधायक कल्पना सोरेन से शुक्रवार को रांची मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात किया।वहीं मुख्यमंत्री से पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की मुलाकात की तस्वीर सामने आने के बाद झारखंड की राजनीति में फिर से हलचल पैदा हो गई है हालांकि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से पूछने पर उन्होंने औपचारिक मुलाकात होने की बात कही लेकिन राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात के बाद झारखंड की राजनीति में फिर से शुगबुगाहट पैदा हो गई है।विदीत हो कि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से कल ही जमानत मिली थी उनके रांची आवास पर झारखंड सरकार के कई मंत्री,विधायक,सांसद, झामुम और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता उनसे मुलाकात कर उनका हाल–चाल जाना था ।वही शुक्रवार को पूर्व मंत्री आलमगीर आलम का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात किया इसके बाद से जितने भी राजनीतिक पंडित हैं। इस तस्वीर के अलग–अलग मायने निकल रहे हैं। आलमगीर आलम ने बताया कि मेडिकल चेकअप करवाने के बाद वह पाकुड़ अपने क्षेत्र जाएंगे वहां पर कार्यकताओं से मुलाकात करने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा।

जर्जर ट्रांसफार्मर और खुले तारों से दहशत

नाला रोड हिंदपीढ़ी वार्ड नंबर 23 बना मुसीबत का अड्डा, लोगों में भारी आक्रोश

रांची (गुलाम शाहिद) : हिंदपीढ़ी के नाला रोड स्थित वार्ड नंबर 23 में बिजली विभाग की लापरवाही से स्थानीय लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया है। क्षेत्र में जर्जर ट्रांसफार्मर, खुले बिजली के तार और सड़कों पर फैली गंदगी से नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद बिजली विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जर्जर ट्रांसफार्मर से लगातार चिंगारी निकलने और खुले तारों के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं सड़कों पर फैली गंदगी और जलजमाव से लोगों को आने–जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र के नेजाम नगर में बिजली के तार की चपेट में आने से समीर नामक युवक की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस घटना के बाद भी विभाग की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई गंभीर कदम नहीं उठाया गया, जिससे लोगों में रोष और बढ़ गया है।

2029 का चुनाव नहीं लड़ेंगे आलमगीर आलम

मुश्किल वक्त में हुई अपनों की पहचान : आलमगीर आलम

रांची (गुलाम शाहिद) : पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए कहा है कि वे वर्ष 2029 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी राजनीतिक भविष्य को लेकर उन्होंने यह बयान दिया। आलमगीर आलम ने कहा कि कठिन और चुनौतीपूर्ण दौर में उन्हें अपनों और परायों की सही पहचान हुई। उन्होंने कहा कि मुश्किल वक्त इंसान को बहुत कुछ सिखा देता है और इसी दौरान यह पता चलता है कि कौन साथ खड़ा है और कौन दूर हो जाता है। उन्होंने अपने समर्थकों, शुभचिंतकों और पार्टी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें हर परिस्थिति में लोगों का समर्थन और विश्वास मिला। उन्होंने यह भी कहा कि वे राजनीति और जनता की सेवा से पूरी तरह दूर नहीं होंगे, लेकिन 2029 का चुनाव नहीं लड़ने का फैसला उन्होंने सोच–समझकर लिया है।
हाल ही में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद उनके इस बयान को झारखंड की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में उनके इस फैसले को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया

डीएवी स्कूल के प्रिंसिपल एमके सिन्हा के मामले में फैसला सुरक्षित

रांची : डीएवी स्कूल के प्रिंसिपल एमके सिन्हा से जुड़े छेड़खानी और उत्पीड़न मामले में सुनवाई पूरी हो गई हैं. अपर न्यायुक्त अरविंद कुमार की कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा हैं. 21 मई को कोर्ट अपना फैसला सुनाएगा. बता दें कि, मामले में एमके सिंहा पर 18 जनवरी 2025 को आरोप गठित किया गया था. यह मामला मई 2022 का है, जहां स्कूल के महिला स्टाफ नर्स ने ये आरोप लगाया था कि प्रिंसिपल एमके सिंहा बीपी चेक करने के बहाने अपने कमरे में बुलाते थे और अश्लील हरकतें करते थे. साथ ही शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाते थे. इस मामले को लेकर पीड़िता ने अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. प्राथमिकी दर्ज होने के बाद एमके सिंहा फरार हो गया था. 4 दिनों की फरारी के बाद जमशेदपुर के टेल्को थाना क्षेत्र से पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया था. बाद में वह 21 नवंबर 2022 को झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर जेल से बाहर आए थे. इसके खिलाफ पीड़िता ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर जमानत रद्द करने की मांग भी की थी. जहां 20 जून 2025 को झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत रद्द कर दी थी. हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ एमके सिंहा ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसपर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एमके सिंहा की याचिका को खारिज करते हुए हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा था और निचली अदालत में एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया था. फिर आरोपी ने ट्रायल कोर्ट में सरेंडर किया था, तब से वह जेल में बंद हैं.

जस्टिस दीपक रोशन पहुंचे रामगढ़ सिविल कोर्ट

संवाददाता

रांची: झारखंड हाईकोर्ट जस्टिस दीपक रोशन शनिवार को सुबह करीब रामगढ़ जिला मुख्यालय स्थित सिविल कोर्ट परिसर पहुंचे. इस उच्चस्तरीय दौरे के दौरान उन्होंने जिले की न्यायिक और विधि-व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की. साथ ही, उन्होंने स्थानीय प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर जिले की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया.

प्रशासनिक और न्यायिक अधिकारियों ने किया स्वागत:
जस्टिस दीपक रोशन के सिविल कोर्ट परिसर पहुंचने पर वहां मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से तौफीकुल हसन (जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रामगढ़), ऋतुराज (डीसी रामगढ़), मुकेश कुमार लुणायत(एसपी रामगढ़) शामिल थे.

विधि-व्यवस्था और न्यायिक कार्यों की समीक्षा:
स्वागत समारोह के ठीक बाद जस्टिस दीपक रोशन ने जिला सत्र न्यायाधीश तौफीकुल हसन, उपायुक्त ऋतुराज और एसपी मुकेश कुमार लुणायत के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की. इस बैठक में मुख्य रूप न्यायालय के कार्यों की समीक्षा, कानून-व्यवस्था का जायजा, जिले की भौगोलिक और प्रशासनिक स्थिति जैसे मुद्दे शामिल थे.

वल्नरेबल विटनेस डिपोजिशन सेंटर का उद्घाटन:
इस दौरे की एक मुख्य कड़ी के रूप में, जस्टिस दीपक रोशन ने सिविल कोर्ट परिसर में नवविर्मित वल्नरेबल विटनेस डिपोजिशन सेंटर का फीता काटकर उद्घाटन किया. इस सेंटर के खुलने से संवेदनशील गवाहों (जैसे बच्चे, महिलाएं या डरे हुए पीड़ित) को बिना किसी भय या दबाव के, एक सुरक्षित और तनावमुक्त माहौल में अपनी गवाही दर्ज कराने की सुविधा मिलेगी.

पेपर लीक मामले में झामुमो ने किया केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा:नीट परीक्षा रद्द होने एवं पेपर लीक मामले को लेकर शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा स्टेशन चौक बरहरवा में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया गया।इस दौरान कार्यकताओं ने केंद्र सरकार एवं भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में शामिल नीट का पेपर लीक होना और बाद में परीक्षा रद्द होना केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था की पूरी विफलता को दशार्ता है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में लगातार प्रतियोगी परीक्षाएं भ्रष्टाचार,लापरवाही और पेपर माफियाओं की भेंट चढ़ रही हैं,जबकि सरकार केवल प्रचार में व्यस्त है।झामुमो नेता शक्ति नाथ अमन ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश के युवाओं के भविष्य को मजाक बनाकर रख दिया है।लाखों छात्र-छात्राएं दिन-रात मेहनत कर परीक्षा की तैयारी करते हैं,लेकिन केंद्र सरकार की लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है।उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ भाषण और विज्ञापन में चल रही है।जमीनी स्तर पर शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।नीट परीक्षा रद्द होना इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार परीक्षा कराने तक में सक्षम नहीं रह गई है।उन्होंने कहा कि पेपर लीक कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि संगठित भ्रष्टाचार का हिस्सा बन चुका है और भाजपा सरकार पेपर माफियाओं पर कार्रवाई करने के बजाय अपनी छवि बचाने में लगी हुई है।उन्होंने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।वहीं झामुमो नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने कहा कि आज देश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।वर्षों की कठिन मेहनत और अभिभावकों की उम्मीदों के बाद छात्र परीक्षा देते हैं।लेकिन भाजपा शासन में हर बड़ी परीक्षा विवाद और घोटालों का शिकार हो रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और अब उनकी परीक्षाओं की विश्वसनीयता भी समाप्त कर रही है।दानीनाथ महतो ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा और युवाओं के मुद्दों पर पूरी तरह असंवेदनशील हो चुकी है।एक तरफ छात्र आत्मिक तनाव और भविष्य की चिंता से जूझ रहे हैं।वहीं केंद्र सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है।उन्होंने कहा कि यदि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो झामुमो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन को और तेज करेगा।इस मौके पर झामुमो नेता शक्ति नाथ अमन,नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो,नगर सचिव मोहम्मद इकबाल हुसैन,बम बम महतो,छात्र मोर्चा दानी नाथ माहतो,शबाशीष महतो,छोटू गुप्ता,आकाश कुमार,वरुण मंडल, आसिफ इकबाल,सुशील सेन,विजय गुप्ता,कवलजीत शर्मा,विकास रजक, मुन्ना,नीरज महतो,मंगल शर्मा,विवेक शर्मा,उज्जवल कुमार,समेत कई अन्य लोग शामिल थे।

महिलाओं ने वट सावित्री व्रत के दिन की वट वृक्ष की पूजा

संवाददाता

चक्रधरपुर : वट सावित्री के दिन वट वृक्ष की पूजा करने के लिए काफी संख्या में महिलाओं की भीड़ उमड़ी तथा महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा की और कथा का श्रवण किया।इस अवसर पर सुहागिनों ने वट वृक्ष की पूजा अर्चना करते हुए वृक्ष की परिक्रमा की और अपने पति के लंबे उम्र की कामना की।सभी सुहागनों ने एक दूसरे को सिंदूर लगाया और एक दूसरे को प्रसाद दिया। सभी सुहागनों ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना की और वट सावित्री की पूजा अर्चना की कथा सुनकर पंडित जी

को दान दक्षिणा देकर अपनी पूजा संपन्न की।

मरीजों को बेहतर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता : डॉ किरण

जिला प्रजनन व शिशु स्वास्थ्य पदाधिकारी ने किया सदर अस्पताल साहिबगंज के विभिन्न विभागों का निरीक्षण

साहिबगंज :जिला प्रजनन और शिशु स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ॰ किरण माला द्वारा सदर अस्पताल मैं शनिवार को विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया गया तथा अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का सूक्ष्म अवलोकन किया गया।निरीक्षण के क्रम में पीडियाट्रिक ओपीडी एस॰एन॰सी॰यू ,अल्ट्रासाउंड विभाग, लेबर रूम, शल्यक्रिया कक्ष एवं टीकाकरण कक्ष का निरीक्षण किया गया। पीडियाट्रिक ओ॰पी॰डी में बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवा वितरण एवं चिकित्सकीय परामर्श व्यवस्था का अवलोकन करते हुए संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों को बच्चों के बेहतर उपचार एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।एस॰एन॰सी॰यू निरीक्षण के दौरान दिनांक 16 मई को कुल 21 नवजात शिशु भर्ती पाए गए, जिसमें 13 आउटबॉर्न एवं 08 इनबॉर्न नवजात शामिल थे। सभी भर्ती नवजातों की समुचित देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को दिया गया। साथ ही नवजात शिशुओं के बेहतर उपचार एवं देखभाल हेतु मरम्मत योग्य एवं उपयोगी रेडियंट वार्मर, सक्शन मशीन, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, एम्बू बैग एवं सक्शन कैथेटर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

नीट परीक्षा रद्द होने से चिंता से जूझ रहे है छात्र : संजीव शामू

संवाददाता

साहिबगंजःनीट परीक्षा रद्द होने एवं पेपर लीक मामले को लेकर शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति साहेबगंज के द्वारा के स्टेशन चौक पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन नगर अध्यक्ष आदित्य यादव के अगुवाई में किया गया।इस दौरान कार्यकताओं व छात्रों ने केंद्र सरकार एवं भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में शामिल नीट का पेपर लीक होना और बाद में परीक्षा रद्द होना केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था की पूरी विफलता को दशार्ता है। वही केंद्रीय समिति सदस्य संजीव शामू हेंब्रम जी ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में लगातार प्रतियोगी परीक्षाएं भ्रष्टाचार, लापरवाही और पेपर माफियाओं की भेंट चढ़ रही हैं।जबकि सरकार केवल प्रचार में व्यस्त है।भाजपा सरकार शिक्षा और युवाओं के मुद्दों पर पूरी तरह असंवेदनशील हो चुकी है। एक तरफ छात्र आत्मिक तनाव और भविष्य की चिंता से जूझ रहे हैं। वहीं केंद्र सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो झामुमो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन को और तेज करेगा।झामुमो के जिला कार्यकारिणी सदस्य नजरुल इस्लाम ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश के युवाओं के भविष्य को मजाक बनाकर रख दिया है। लाखों छात्र-छात्राएं दिन-रात मेहनत कर परीक्षा की तैयारी करते हैं। लेकिन केंद्र सरकार की लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ भाषण और विज्ञापन में चल रही है। जमीनी स्तर पर शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। नीट परीक्षा रद्द होना इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार परीक्षा कराने तक में सक्षम नहीं रह गई है।वही नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने कहा कि पेपर लीक कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि संगठित भ्रष्टाचार का हिस्सा बन चुका है और भाजपा सरकार पेपर माफियाओं पर कार्रवाई करने के बजाय अपनी छवि बचाने में लगी हुई है। उन्होंने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।*केंद्रीय समिति सदस्य सुरेंद्र यादव ने कहा कि देश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। वर्षों की कठिन मेहनत और अभिभावकों की उम्मीदों के बाद छात्र परीक्षा देते हैं, लेकिन भाजपा शासन में हर बड़ी परीक्षा विवाद और घोटालों का शिकार हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और अब उनकी परीक्षाओं की विश्वसनीयता भी समाप्त कर रही है।मौके पर झामुमो केंद्रीय समिति मुजीबुर रहमान, अखलाकुर रहमान,जिला कोषाध्यक्ष सुरेश शाह, जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम, लड्डू सिंह, जलेबी सिंह। युवा मोर्चा उपाध्यक्ष देव सोरेन,मो अली,प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह,प्रखंड अध्यक्ष बर्नाड मरांडी,प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू,प्रखंड सचिव गफ्फार अंसारी रिजवान अंसारी,राजू अंसारी,मो एजाज अंसारी,अरशद अंसारी,तारीख अनवर,नोमान अंसारी,मुर्शीद राजा, आलोक ओझा,विवेक ओझा,अंकित तंबाकू वाला,वरुण तंबाकू वाला, हफीजुर्रहमान,समेत अन्य मौजूद रहें।

पुलिया निर्माण में भारी अनियमितता बालू के जगह डस्ट का हो रहा उपयोग

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाः जिले के उधवा प्रखंड अंतर्गत पश्चिमी प्राणपुर पंचायत में चल रहे सड़क एवं पुलिया निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितता बरती जा रही है। जानकारी के अनुसार मुखिया टोला से शेर मोहम्मद टोला होते हुए भगत टोला तक बन रही आरईओ सड़क और लगभग आठ से दस पुलियों के निर्माण में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिया निर्माण में निर्धारित बालू की जगह पत्थर के डस्ट का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्य की मजबूती पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह इलाका दियारा क्षेत्र में आता है, जहां हर वर्ष बाढ़ और कटाव की समस्या बनी रहती है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हुआ, तो भविष्य में बड़ी दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर विभागीय कनिष्ठ अभियंता नियमित रूप से मौजूद नहीं रहते हैं। लोगों का कहना है कि उनकी जगह एक निजी व्यक्ति द्वारा कार्य की निगरानी की जा रही है। इससे निर्माण कार्य की पारदर्शिता और गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

डांस झारखंड का 7 दिनों का समर कैंप 18 से शुरू

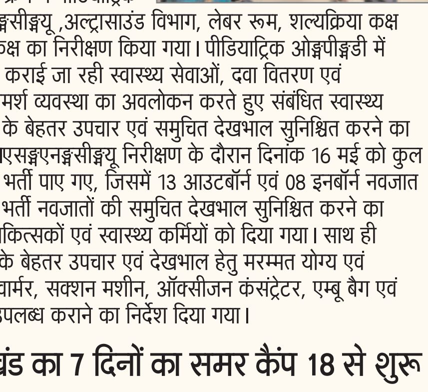

रांची : डांस झारखंड रातू रोड में स्थित 7 दिनों का समर कैंप सोमवार 18 मई से आयोजित किया जा रहा है। साथी साथ यह समर कैंप जो बच्चे आशाएं हैं गरीब हैं जिनकी कोई माता–पिता नहीं है उनमें कोई हिडन टैलेंट है तो उन बच्चों के इन समर कैंप में निशुल्क जगह मिलेगी साथ ही साथ जीतने वाले को 6 महीना और 1 साल तक निशुल्क डांस झारखंड में शिक्षित किया जाएगा. कैंप में बच्चों के लिए कई प्रकार की रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियाँ कराई जाएगी। डांस झारखंड समिति के संचालक ने बताया बच्चों को खेल–कूद, ड्राइंग, डांस, गीत–संगीत, कहानी, योग एवं अन्य मनोरंजक एक्टिविटीज सिखाई जाएँगी साथी साथ गर्मियों की छुट्टी में बच्चे आलसी और बेड हैबिट्स के आकर बन जाते हैं जो कि उनके शारीरिक और मानसिक जीवन के लिए सही नहीं है डांस झारखंड समिति के मुख्य संरक्षक जितेंद्र सिंह जी ने बताया कैंप का उद्देश्य बच्चों के प्रतिभा विकास एवं आत्मविश्वास को बढ़ाना है।यह समर कैंप पूरे 7 दिनों तक चलेगा। पार्टिसिपेट लेने वाले हर बच्चों को प्रमाण पत्र डांस झारखंड की ओर से वितरण किया जाएगाहर दिन बच्चों के लिए स्वादिष्ट स्नैक्स एवं खाने की व्यवस्था भी की गई है। कैंप में केवल 50 सीटें उपलब्ध हैं। इसलिए इच्छुक अभिभावक जल्द से जल्द अपने बच्चों का नामांकन करवाएँ और दिए गए नंबर पर संपर्क करें – 6203253874,8271646935 समर कैंप में बच्चों की सुरक्षा एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।यह कैंप बच्चों के लिए सीखने और आनंद लेने का सुनहरा अवसर है।